शिक्षा, योजनाकारों तथा प्रशासकों

का

राष्ट्रीय स्टाफ कालेज+

वार्षिक रिपोर्ट

1978-79

17-बी, श्री अरबिन्दो मार्ग,
नई दिल्ली-1100016

+अब इसका नाम बदलकर राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन का संस्थान कर दिया गया है।

LIBRARY & DOCUMENTATION C
N Educati
P tratio
17-B, Sri A Marg,
New Delhi-1
DOC, No. D - 9359
Date 5-12-96

विषय सूची

	पृष्ठ
आभारोक्ति	vii
भाग 1—प्रशासन और कार्य	1
बजट	4
छात्रावास	5
स्टाफ	5
अतिरिक्त सुविधाओं की व्यवस्था	5
भाग I का अनुलग्नक	5
भाग 2—कार्यक्रमों और क्रियाकलापों की समीक्षा	7
नए आयाम	9
वर्ष के दौरान लिए गए कार्यक्रम	11
प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल्यांकन	14
भाग II का अनुलग्नक कार्यक्रम और कार्यकलाप	15
राज्य शिक्षा योजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (अप्रैल 6-16, 1978)	15
राज्य शिक्षा विभागों के सांख्यिकीय सहायकों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (मई 23-29, 1978)	16
राष्ट्रीय सेवा योजना पर कार्यगोष्ठी (अप्रैल 17-20, 1978)	17
साक्षरता कार्यक्रम की सांख्यिकी पर प्रशिक्षण संगोष्ठी (फरवरी 6-10, 1979)	18
यू० पी० परिवीक्षाधीनों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (फरवरी 13-25, 1979)	19
दिल्ली प्रशासन के शिक्षा अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम (जुलाई 13-18 और अक्टूबर 23-27, 1978)	20
जम्मू और कश्मीर के जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम (दिसंबर 4-16, 1978)	21

हरियाणा के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा पर्यवेक्षण पर संगोष्ठी (फरवरी 16-26, 1979) 22
तमिलनाडु के विद्यालय शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम (5 मार्च से 10 मार्च, 1979 तक) 23
केन्द्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्यों के लिए संस्थागत योजना पर कार्यगोष्ठी (मई 30 - जून 3, 1978) 24
दक्षिणी क्षेत्र के पोलिटेकनिकों के प्रशासकों तथा वरिष्ठ संकाय सदस्यों के लिए प्रबन्ध अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम (मद्रास में 2-7 अक्टूबर, 1978) 25
तमिलनाडु के महाविद्यालय के प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षिक योजना तथा प्रशासन संबन्धी अभिविन्यास कार्यक्रम (तमिलनाडु में 16 अक्टूबर से 29 नवंबर, 1978 तक) 26
गुजरात तथा मध्यप्रदेश के महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन संबन्धी अभिविन्यास कार्यक्रम (नई दिल्ली : 26 दिसंबर 1978 से 6 जनवरी 1979 तक) 28
शैक्षिक योजना और प्रबन्ध में पहला पत्राचार पाठ्यक्रम (1978-79) 30
उच्च शिक्षा के प्रशासन के कुछ पक्षों पर संगोष्ठी (3-5 अगस्त, 1978) 33
ब्रिटेन जानेवाले प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम (11-13 सितंबर, 1978) 34
भारत में संयुक्त राज्य शैक्षिक प्रतिष्ठान की प्रशासन परियोजना, 1979 के अन्तर्गत संयुक्त राज्य अमरीका जाने वाले महाविद्यालयों से चुने गए प्रधानाचार्यों के एक समूह के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम (20-22 मार्च, 1979 तक) 35
संयुक्त राज्य अमरीका के सामाजिक विज्ञानों के पर्यवेक्षकों तथा पाठ्यक्रम निदेशकों के लिए भारतीय इतिहास तथा संस्कृति में कार्यगोष्ठी (19 जून से 12 जुलाई, 1979) 36
यूनेस्को द्वारा प्रायोजित विद्यालय नामांकन के प्रक्षेपण की विधियों पर एक राष्ट्रीय प्रशिक्षण संगोष्ठी (20 नवंबर से 1 दिसंबर, 1978) 38
नई अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था में शिक्षा का योगदान 39
परामर्शता 41
अनुसंधान और अध्ययन 42

अन्तर्राष्ट्रीय समझ, सहयोग तथा शांति के लिए शिक्षा तथा मानवीय अधिकार तथा मूलभूत स्वतन्त्रता से संबन्धित शिक्षा 44
सर्वजनीन कार्यक्रम के संबन्ध में प्रारंभिक शिक्षा के प्रशासन का अध्ययन 45
भारत में यूनेस्को क्लबों की कार्य-व्यवस्था का अध्ययन 46
ग्राम्य विकास के लिए शिक्षा 47
अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग 48
प्रशिक्षण कार्यक्रम 48
पत्राचार पाठ्यक्रम 49
अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सहभागिता 49
सम्मेलन 49
पुस्तकालय तथा प्रलेखन सेवाएं 50
प्रकाशन 51

भाग 3 परिशिष्ट 53

परिशिष्ट I—पुनर्गठित नेशनल स्टाफ कालेज परिषद् के सदस्यों की सूची (31-3-79 तक की स्थिति) 55
परिशिष्ट II—कार्यकारी समिति के सदस्यों की सूची (31-3-79 तक की स्थिति) 58
परिशिष्ट III—लेखा परीक्षा रिपोर्ट (1978-79) 60
परिशिष्ट IV—नेशनल स्टाफ कालेज का संकाय (31-3-79 तक की स्थिति) 77
परिशिष्ट V—कर्मचारियों में परिवर्तन 78
परिशिष्ट VI—संकाय सदस्यों की अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सहभागिता 79

आभारोक्ति

राष्ट्रीय स्टाफ कालेज, केन्द्रीय शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्रालय, योजना आयोग, राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा योजना के लिए अन्तर्राष्ट्रीय संस्था पेरिस, और एशिया में शिक्षा के लिए यूनेस्को के प्रादेशिक कार्यालय बैंकाक को रिपोर्ट वर्ष के दौरान इसके कार्य- कलापों में रुचि लेने व सहयोग करने के लिए अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है। राष्ट्रीय स्टाफ कालेज उन विशेषज्ञों का भी आभारी है जिन्होंने इसके विभिन्न कार्यक्रमों को चलाने के लिए अतिथि वक्ता व्यक्तिगत रूप से अपना बहुमूल्य समय दिया। राष्ट्रीय स्टाफ कालेज अपने कुछेक कार्यक्रमों को चलाने में सहयोग देने के लिए राज्य शिक्षा विभागों, भारतवर्ष में संयुक्त राज्य शिक्षा प्रतिष्ठान और ब्रिटिश परिषद् के प्रति भी आभार प्रदर्शित करता है।

1

प्रशासन और कार्य

प्रशासन और कार्य

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान शिक्षा-योजनाकारों एवं प्रशासकों के राष्ट्रीय स्टाफ कालेज का मुख्य रूप से पुनर्गठन किया गया जिसमें इसका नाम बदलकर राष्ट्रीय शिक्षा योजना एवं प्रशासन संस्थान कर दिया जाना भी शामिल है।

परिषद की दो विशेष बैठकें 15 जुलाई और 19 अक्तूबर 1978 को हुई। इन बैठकों में दूसरी बातों के साथ एन एस सी ई पी ए के नियमों के अन्तःसंशोधनों पर विचार किया गया। परिषद ने 10 अगस्त 1977 को अपनी तीसरी बैठक में एक समिति बनाई तथा श्री हरीभाऊ जोशी को इसका अध्यक्ष बनाया गया जो कि उस समय मध्यप्रदेश के शिक्षामन्त्री थे। इनके साथ डॉ० कृपाल सिंह को और श्री पी० सबानायगम् (केन्द्रीय शिक्षा सचिव) को सदस्य तथा एन एस सी ई पी ए के निदेशक को सदस्य-सचिव बनाया गया। इस समिति का कार्य एत एस सी ई पी ए के नियमों के संशोधन पर विचार करना और उपयुक्त सिफारिशें करना था। समिति ने 14 नवम्बर 1977 को हुई बैठक में मामले पर विचार किया और स्टाफ कालेज के नियमों और अन्तर्नियमों में कुछेक संशोधनों की सिफारिश की। ये संशोधन परिषद् द्वारा 19 अक्तूबर 1978 को की गई विशेष बैठक में अनुमोदित किए गए। परिषद् द्वारा अनुमोदित मुख्य संशोधन निम्न हैं :—

— एन एस सी ई पी ए का नाम राष्ट्रीय शिक्षा योजना एवं प्रशासन संस्थान (एन आई ई पी ए) होगा।

— परिषद् की सदस्यता 20 से 27 तक बढ़ाई जा सकती है (शिक्षा योजना और प्रशासन में रुचि रखने वाले 6 प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और संकाय के एक सदस्य को मिलाकर)।

— परिषद् के अध्यक्ष को निर्धारित अवधि के लिए भारत सरकार द्वारा मनोनीत किया जाएगा।

— राष्ट्रीय संस्थान का निदेशक परिषद् का उपाध्यक्ष होगा।

— राष्ट्रीय संस्थान के संकाय के सदस्य का कार्यकाल दो वर्ष होगा और गैर सरकारी सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष होगा।

— राष्ट्रीय संस्थान का निदेशक कार्यकारिणी समिति का अध्यक्ष होगा।

— एक कार्यक्रम सलाहकार समिति बनाई जा सकती है जोकि प्रशिक्षण और अनुसंधान के विभिन्न कार्यक्रमों और शिक्षा-सम्बन्धी अन्य कार्यकलापों का ध्यान रखेगी।

i राष्ट्रीय स्टाफ कालेज का नाम अब "राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान" हो गया है। उस तारीख से संशोधित लक्ष्य और उद्देश्य परिशिष्ट में दिये गए हैं।

राष्ट्रीय स्टाफ कालेज के लक्ष्य तथा उद्देश्य नीचे दिये गए हैं :—

(क) केन्द्रीय और राज्य सरकारों एवं संघ राज्य क्षेत्रों में वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों के लिए सेवा से पूर्व और सेवाकाल के दौरान प्रशिक्षण, सम्मेलनों कार्यगोष्ठियों, बैठकों, संगोष्ठियों और विवरण सत्रों का आयोजन करना।

(ख) शिक्षा योजना और प्रबन्ध से सम्बन्धित अध्यापक-शिक्षकों और प्रशासकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना;

(ग) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का अनुमोदन प्राप्त करके विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के प्रशासकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रमों और पुनश्चर्या का आयोजन करना;

(घ) भारत के विभिन्न राज्यों और विश्व के अन्य देशों में योजना तकनीक और प्रशासकीय कार्य-विधियों में तुलनात्मक अध्ययन सहित शिक्षा योजना एवं प्रशासन के विभिन्न पहलुओं में अनुसंधान करना, अनुसंधान में सहायता देना, बढ़ावा देना और समन्वय करना;

(च) शिक्षा योजना एवं प्रशासन में कार्यरत एजेंसियों, संस्थाओं और कार्मिकों को शिक्षा सम्बन्धी और व्यावसायिक संदर्शन प्रदान करना;

(छ) राज्य सरकारों और अन्य शिक्षा संस्थाओं को उनके अनुरोध पर परामर्श देना;

(ज) शिक्षा योजना एवं प्रशासन सेवाओं और अन्य कार्यक्रमों में अनुसंधान, प्रशिक्षण और प्रसार के बारे में विचारों और सूचनाओं के निकास घर के रूप में काम करना;

(झ) इन उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए शोध-लेख, पत्रिकाएं और पुस्तकें तैयार करना; उन्हें मुद्रित और प्रकाशित करना, तथा विशेष रूप से शिक्षा-योजना एवं प्रशासन पर पत्रिका निकालना;

(ट) दूसरी एजेंसियों, संस्थाओं और संगठनों से ऐसे सहयोग करना जो इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आवश्यक समझे जाते हैं। इन एजेंसियों, संस्थाओं और संगठनों में विश्वविद्यालय, प्रबन्ध एवं प्रशासन संस्थान तथा भारत और विदेश में अन्य सहयोगी संस्थान शामिल हैं;

(ठ) स्टाफ कालेज की सहायता के लिए अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति प्रदान करना;

(ड) अन्य देशों, विशेष रूप से एशियाई क्षेत्र के देशों के अनुरोध पर शिक्षा-योजना एवं प्रशासन में प्रशिक्षण तथा अनुसंधान के लिए सुविधाएं प्रदान करना और ऐसे कार्यक्रमों में उनके साथ सहयोग करना।

एन एस सी ई पी ए के सारे प्राधिकार परिषद् में निहित हैं। 1978-79 के दौरान परिषद् के सदस्यों की सूची परिशिष्ट 1 में दी गयी है।

बजट

एन एस सी ई पी ए को शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय द्वारा पूर्ण वित्तीय सहायता दी जाती है। समीक्षाधीन काल के दौरान एन एस सी ई पी ए को 14,28,900.19 रुपए का अनुदान मिला और पिछले वर्ष की बकाया राशि 2,37,835.12 रुपए योजना लेखा के अन्तर्गत इसके पास थी। इसे भारत सरकार से भी 3,38,00.00 रुपए (गैर योजना) का अनुदान मिला। एन एस सी ई पी ए ने छात्रावास के कमरों के किराये के रूप में 28,760.50 रुपए की रकम वसूल की और विविध स्रोतों से 16,357.29 रुपए

प्राप्त किए। कुल 20,94,735.37 रुपये की प्राप्ति के मुकाबले 18,90,199.86 रुपए (योजना) और 3,59,311.40 रुपए (गैर योजना) खर्च किए गए।

छात्रावास

शिक्षा योजनाकारों एवं प्रशासकों के राष्ट्रीय स्टाफ कालेज द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य रूप से आवासीय होते हैं। प्रशिक्षार्थियों को छात्रावास में जगह दी जाती है जिसमें 48 पूरी तरह सुविधायुक्त स्नानागार लगे एकल कमरे हैं।

स्टाफ

31-3-1979 को संकाय के सदस्यों की सूची और इस काल के दौरान स्टाफ में हुए परिवर्तन परिशिष्टों में दिए गए हैं।

अतिरिक्त सुविधाओं की व्यवस्था :

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रशासनिक खंड की दूसरी मंजिल पूरी की गई और मार्च 1979 में सी० पी० डब्लू० डी० से इसका कब्जा लिया गया। इसमें अतिरिक्त लेक्चर-हाल और कमरे, पुस्तकालय की जगह और संकाय के कमरे शामिल हैं। अतिरिक्त सुविधाओं के कारण स्टाफ कालेज 1979-80 के बाद से दो कार्यक्रम साथ-साथ चलाने में समर्थ हो गया है।

भाग 1 का अनुलग्नक

राष्ट्रीय शिक्षा-योजना एवं प्रशासन संस्थान के लक्ष्य और उद्देश्य नीचे दिए गए हैं :—

(क) केन्द्र और राज्य सरकारों एवं संघ राज्य क्षेत्रों में वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों के लिए सेवा से पूर्व और सेवाकाल में प्रशिक्षण, सम्मेलनों, कार्यगोष्ठियों, बैठकों, संगोष्ठियों तथा विवरण-सत्रों का आयोजन करना;

(ख) शिक्षा-योजना एवं प्रबन्ध से सम्बन्धित अध्यापक-शिक्षकों तथा विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के लिए अभिविन्यास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा पुनश्चर्या का आयोजन करना;

(ग) केन्द्र और राज्य सरकारों में नीति-निर्धारण स्तर पर शिक्षा-योजना एवं प्रशासन के क्षेत्र में विधायकों सहित सर्वोच्च स्तर के व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रमों, संगोष्ठियों और विचार-विमर्श गोष्ठियों का आयोजन करना;

(घ) भारत के विभिन्न राज्यों और विश्व के दूसरे देशों में योजना तकनीक और प्रशासकीय कार्यविधियों में तुलनात्मक अध्ययन सहित शिक्षा-योजना एवं प्रशासन के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान करना, अनुसंधान में सहायता देना, बढ़ावा देना और समन्वय करना;

(च) शिक्षा-योजना एवं प्रशासन के काम में लगी एजेंसियों, संस्थाओं और कार्मिकों को शिक्षा सम्बन्धी और व्यावसायिक निर्देश देना;

(छ) राज्य सरकारों और अन्य शिक्षा-संस्थाओं को उनके अनुरोध पर परामर्श देना,

(ज) शिक्षा-योजना एवं प्रशासन सेवाओं और अन्य कार्यक्रमों में अनुसंधान, प्रशिक्षण और विस्तार के बारे में विचारों और सूचनाओं के निकास घर के रूप में काम करना,

(झ) इन उद्श्यों को आगे बढ़ने के लिए शोध-लेख, पत्रिकाएं और पुस्तकें तैयार करना, उन्हें मुद्रित और प्रकाशित करना तथा विशेष रूप से शिक्षा योजना एवं प्रशासन पर पत्रिका निकालना,

(ट) अन्य एजेंसियों, संस्थाओं और संगठनों से ऐसे सहयोग करना जो इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आवश्यक समझे जाते हैं। इन एजेंसियों, संस्थाओं और संगठनों में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, विश्वविद्यालय, प्रबंध एवं प्रशासन संस्थान तथा भारत और विदेश में अन्य सहयोगी संस्थान शामिल हैं,

(ठ) राष्ट्रीय संस्थान के उद्देश्यों को और आगे बढ़ाने में अध्येतावृत्तियां, छात्रवृत्तियां, और शिक्षा-संबन्धी वृत्तियां देना,

(ड) शिक्षा-योजना एवं प्रशासन के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रतिष्ठित शिक्षाविदों को अवैतनिक अध्येतावृत्ति प्रदान करना,

(ढ) अन्य देशों, विशेष रूप सें एशियाई क्षेत्र के देशों के अनुरोध पर उन्हें शिक्षा-योजना एवं प्रशासन में प्रशिक्षण तथा अनुसंधान की सुविधायें देना और ऐसे कार्यक्रमों में उनके साथ सहयोग करना।

2

कार्यक्रमों और कार्यकलापों की समीक्षा

शिक्षा योजनाओं एवं प्रशासकों के राष्ट्रीय स्टाफ कालेज की स्थापना के छठवें वर्ष, 1978-79 में संगठन के कार्यों में महत्वपूर्ण सुधार हुआ। कालेज ने देश के वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों की अनेक श्रेणियों को प्रशिक्षण सुविधाएं दीं, उनके लिए कार्य—गोष्ठियों और संगोष्ठियों का आयोजन किया, राज्य सरकारों के अनुरोध पर उन्हें परामर्श दिया, सहयोगी संस्थाओं तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से सम्पर्क स्थापित किया और दूसरे देशों के द्व्यावसायिक विशेषज्ञों से शिक्षा-योजना एवं प्रशासन में होने वाले अनुभवों का आदान-प्रदान किया।

नए आयाम

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान चल रहे कार्यक्रमों के अतिरिक्त स्टाफ कालेज ने शिक्षा-योजना एवं प्रशासन में नये कार्यक्रमों और कार्यकलापों का आयोजन किया। विशेष रूप से निम्नलिखित का उल्लेख किया जा सकता है :—

(i) राज्यों से सहयोग

एन एस सी ई पी ए ने तमिलनाडु के कालेज शिक्षा निदेशालय को सात केन्द्रों में राज्य के कला, विज्ञान और प्रशिक्षण कालेजों के 183 प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजितक करने में सहायता दी।

(ii) शिक्षा योजना एवं प्रबंध में पत्राचार पाठ्यक्रम

वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा योजना एवं प्रबंध का पहला पत्राचार पाठ्यक्रम एशिया तथा ओसिएनिया के लिए शिक्षा के यूनेस्को क्षेत्रीय कार्यालय, बैंकाक के साहचर्य से आयोजित किया गया। पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भाग लेने वालों को शिक्षा-योजना एवं प्रबंध की नवीनतम प्रवृत्तियों की जानकारी देना था।

(iii) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

(क) सांख्यिकी कार्यालय, यूनेस्को (पेरिस) के सहयोग से प्रक्षेपी स्कूल नामांकन की कार्यविधि

पर एक राष्ट्रीय प्रशिक्षण संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य भाग लेने वालों को स्कूल नामांकन का विश्लेषण और प्रक्षेपण करने के तरीकों से अवगत कराना था।

(ख) शिक्षा-योजना के अंतर्राष्ट्रीय संस्थान (आई० आई० ई० पी०) पेरिस, एशिया एवं ओसिएनिया में शिक्षा के यूनेस्को क्षेत्रीय कार्यालय, बैंकाक और एन एस सी ई पी ए ने मिलकर 'नई अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को शिक्षा की देन' पर एक संगोष्ठी आयोजित की। बंगलादेश, हंगरी, कोरिया, नेपाल, श्रीलंका, थाइलैंड, यूगोस्लाविया और भारतवर्ष से 32 व्यावसायिक विशेषज्ञों ने संगोष्ठी में भाग लिया। संगोष्ठी के विषय थे : शिक्षा और समानता, शिक्षा और रोजगार तथा शिक्षा और ग्रामीण विकास।

(iv) दक्षिण क्षेत्र के पालिटेक्निक्स के प्रशासकों के लिए प्रबन्ध अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम

पालिटेक्निक्स में कार्य-पद्धति को इष्टतम बनाने के लिए तकनीकी अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान, मद्रास को शामिल करके दक्षिणी क्षेत्र में कोर संकाय तैयार करने के लिए दक्षिणी क्षेत्र के पालिटेक्निक्स के प्रशासकों और वारिष्ठ संकाय सदस्यों के लिए मद्रास में एक प्रबंध अभिविन्यस्त प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

(v) संस्था-योजना पर कार्यगोष्ठी

केन्द्रीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए संस्था-योजना पर एक कार्यगोष्ठी का आयोजन किया गया ताकि भाग लेने वाले तीन वर्ष की अवधि के लिए संस्था-योजना तैयार करने के योग्य हो सकें।

(vi) इंग्लैंड रवाना होने वाले स्कूल प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के कहने पर प्रशिक्षण के लिए इंग्लैंड रवाना होने वाले स्कूल-प्रधानाचार्यों के लिए एक प्रस्थान-पूर्व अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया ताकि उन्हें शिक्षा-प्रबन्ध की समस्याओं की समझने में सहायता मिल सके।

(vii) उत्तर-प्रदेश के परिवीक्षाधीनों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाग लेने वाले उत्तर प्रदेश के परिवीक्षाधीनों को वित्तीय कार्यविधियों, शिक्षा-योजना की नवीनतम प्रवृत्तियों और प्रबन्ध की नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए दो विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।

(viii) राज्य शिक्षा विभागों के सांख्यिकीय सहायकों के लिए प्रशिक्षण

विभिन्न राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के शिक्षा विभाग में कार्य कर रहे सांख्यिकीय सहायकों के

लिए शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय के सहयोग से एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

(xi) शिक्षा पर्यवेक्षण पर संगोष्ठी

हरियाणा के शिक्षा अधिकारियों के लिए एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिससे कि भाग लेने वाले पर्यवेक्षण की आधुनिक संकल्पनाओं, क्रियाविधियों और तकनीकों से अवगत हो सकें।

(x) सार्वभौमिकीकरण के सम्बन्ध में प्रारम्भिक शिक्षा के प्रशासन का अध्यन

आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, जम्मू और कश्मीर, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे शिक्षा की दृष्टि से पिछड़े हुए नौ राज्यों में सार्वभौमिकीकरण के कार्यक्रम के सम्बन्ध में प्रारम्भिक शिक्षा के प्रशासन का क्षेत्र अध्ययन शुरू किया गया।

(xi) भारतवर्ष में यूनेस्कों क्लब के कार्य का अध्ययन

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय के अनुरोध पर भारतवर्ष में वर्तमान यूनेस्को क्लब के कार्यों का अध्ययन किया गया जिससे कि इस आन्दोलन में बाधा डालने वाली कठिनाइयों का पता चल सके।

(vii) ई पी ए बुलेटिन

एन एस सी ई पी ए से एक त्रैमासिक बुलेटिन प्रकाशित होती है जो शिक्षा-योजना एवं प्रशासन के के क्षेत्र में प्रशिक्षण, अनुसंधान, परामर्श और प्रसार के बारे में नवीनतम सूचना देने का काम करती है। लेखों, समीक्षाओं और अनुसंधान-सार के अलावा इसमें महत्त्वपूर्ण शिक्षा विषयों पर समितियों और कार्य-समूहों की रिपोर्ट, यूनेस्को और शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय से प्राप्त दस्तावेजों और कालेज कार्यक्रमों और स्टाफ गतिबिधियों का सारांश और विशिष्टताएं शामिल होती है।

वर्ष के दौरान लिए गए कार्यक्रम

वर्ष के दौरान जो कार्यक्रम हाथ में लिए गए उनका सार-संक्षेप नीचे दिया गया है—

क्रम सं०	कार्यक्रम	अवधि	भाग लेने वालों की संख्या
1.	**राज्य शिक्षा योजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम** राज्य शिक्षा योजना अधिकारियों के लिए चौथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	अप्रैल 6-15, 78	18

2.	**सांख्यिकीय सहायकों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम** राज्य शिक्षा विभागों के सांख्यिकीय सहायकों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	मई 23-29, 78	33
3.	**प्रौढ़ शिक्षा**		
	राष्ट्रीय सेवा योजना पर कार्यगोष्ठी	अप्रैल 17-20, 78	44
	साक्षरता कार्यक्रम की सांख्यिकी पर प्रशिक्षण संगोष्ठी	फरवरी 6-10, 78	28
4.	**शिक्षा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम**		
	उत्तर प्रदेश के परिवीक्षणाधीनों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	फरवरी 13-25, 78 और मई 31-जून 14, 78	3
	दिल्ली प्रशासन के शिक्षा अधिकारियों के लिए पहला अभिविन्यास कार्यक्रम	जुलाई 13-18, 78	18
	दिल्ली प्रशासन के शिक्षा अधिकारियों के लिए दूसरा अभिविन्यास कार्यक्रम	अक्टूबर 23-27, 78	14
	जम्मू कश्मीर के ज़िला शिक्षा अधिकारियों के लिए अभिविन्वास कार्यक्रम	दिसम्बर 4-16, 78	12
	हरियाणा के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा पर्यवेक्षण पर संगोष्ठी	फरवरी 19-26, 1979	25
	तमिलनाडु के स्कूल शिक्षा निदेशालय के वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	मार्च 5-10, 1979	24
5.	**संस्था प्रधानों का प्रशिक्षण**		
	केन्द्रीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए संस्था योजना पर कार्यगोष्ठी	मई 30 जून 3, 1978	25
	दक्षिणी क्षेत्र के पालिटेक्निक्स के प्रशासकों तथा वरिष्ठ संकाय सदस्यों के लिए प्रबन्ध अभिविन्यस्त प्रशिक्षण कार्यक्रम	अक्टूबर 2-7, 1978	20

	तमिलनाडु के कालेज प्रधानाचार्यों के लिए शिक्षा योजना एवं प्रशासन में अभिविन्यास कार्यक्रम (7)	अक्टूबर 16-नवम्बर 19, 1978	183
	गुजरात और मध्यप्रदेश के कालेज प्रधानाचार्यों के लिए शिक्षा योजना तथा प्रशासन में अभिविन्यास कार्यक्रम	दिसम्बर 26, 1978-जनवरी 6, 1979	41
6.	**पत्राचार पाठ्यक्रम**		
	शिक्षा योजना एवं प्रबंध में पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए पहला सम्पर्क कार्यक्रम	अगस्त 17-23, 1978 और अगस्त 28-सितम्बर 2, 1978	31 25
	शिक्षा योजना एवं प्रबंध में पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए दूसरा सम्पर्क कार्यक्रम	फरवरी 27-मार्च 31, 1979	40
7.	**स्कूलों / कालेजों के प्रधानाचार्य**		
	उच्च शिक्षा के प्रशासन के कुछ पक्षों पर संगोष्ठी	अगस्त 3-5, 1978	6
	इंग्लैंड जाने वाले स्कूल प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम	सितम्बर 11-13, 78	8
	संयुक्त राज्य अमरीका जाने वाले कालेज प्रधानाचार्यों के लिए तैयारी कार्यक्रम	फरवरी 19-26, 79	8
	यू एस ई एफ आई की प्रशासक परियोजना, 1979 के अंतर्गत संयुक्त राज्य अमरीका जाने वाले कालेज प्रधानाचार्यों के चुने हुए समूह के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	मार्च 20-22, 79	7
6.	**अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम**		
	संयुक्त राज्य अमरीका से आए हुए सामाजिक विज्ञान के पर्यवेक्षकों और पाठ्यचर्या निदेशकों के लिए भारतीय इतिहास तथा संस्कृति में कार्यगोष्ठी	जून 19-जुलाई 12, 1978	18
	प्रक्षेपी स्कूल नामांकन की विधियों पर यूनेस्को के तत्वावधान में राष्ट्रीय प्रशिक्षण संगोष्ठी	नवम्बर 20-दिसम्बर 1, 1978	26
	आई आई ई पी, पेरिस तथा एशिया में शिक्षा के लिए यूनेस्को क्षेत्रीय कार्यालय, बैंकाक के सहयोग से नई अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को शिक्षा की देन पर संगोष्ठी	जनवरी 22-27, 1979	32

इन सभी कार्यक्रमों में 708 व्यक्तियों ने भाग लिया जिसमें शिक्षा-प्रशासक (शिक्षा योजना अधिकारी, ज़िला शिक्षा अधिकारी, स्कूल तथा कालेज प्रधानाचार्य) राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रमुख कार्मिक, केन्द्र तथा राज्य सरकारों के वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों की श्रेणियां और विदेशों से आए भाग लेने वाले भी शामिल हैं। इन कार्यक्रमों का ब्यौरा अनुलग्नक में दिया गया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल्यांकन

प्रत्येक कार्यक्रम में प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल्यांकन शामिल है। संचालन समिति द्वारा समवर्ती मूल्यांकन होता है जो प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए गठित की जाती है और जिसमें संकाय के सदस्य, भाग लेने वालों के प्रतिनिधि और सचिवालय स्टाफ शामिल होते हैं। यह देखती है दिन कि प्रतिदिन के अनुभवों के आधार पर कार्यक्रम में कौन-कौन से परिवर्तन किए जाने चाहिए। कार्योत्तर मूल्यांकन के लिए पहले ही दिन भाग लेने वालों को मूल्यांकन प्रोफार्मा दिए जाते हैं। अपने संचयी अनुभवों को दर्शाने के लिए उन्हें ये भरने होते हैं। सत्र की समाप्ति के एक दिन पहले ये भरे प्रोफार्मा कार्यक्रम समन्वयक को लौटा दिए जाते हैं। इस मूल्यांकन को स्वतंत्र और निष्पक्ष रखने के लिए भाग लेने वालों को इन पर हस्ताक्षर नहीं करने होते हैं। इन प्रोफार्मा के आधार पर संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार की जाती है। इसके बाद अन्तिम दिन मूल्यांकन सत्र होता है जबकि भाग लेने वालों को शिक्षा संबंधी या संगठनात्मक, किसी बात पर, जिसे वे उठाना चाहते हैं, अपने विचार बताने की स्वतंत्रता होती है। संस्थान भविष्य में उसी के समान पाठ्यक्रमों की अभिरचना में भाग लेने वालों की प्रति पुष्टि को ध्यान में रखता है। भाग लेने वालों के मूल्यांकन ने कुल मिलाकर दर्शाया है कि उन्होंने कार्यक्रमों को बहुत उपयोगी पाया है। प्रशिक्षार्थियों पर कार्यक्रमों के अधिक स्थायी प्रभाव के मूल्यांकन का प्रश्न विचाराधीन है।

भाग-2 का अनुलग्नक—कार्यक्रम और कार्यकलाप

राज्य शिक्षा योजना अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

(अप्रैल 6-15, 1978)

केन्द्रीय शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्रालय, और योजना आयोग के शिक्षा विभाग के सहयोग से एन एस सी ई पी ए ने राज्य शिक्षा योजना अधिकारियों के लिए 6 से 15 अप्रैल 1978 तक चौथा प्रशिक्षण कार्यक्रम (इस शृंखला का अन्तिम) आयोजित किया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षा की अगली पंचवर्षीय योजना बनाने का काम करने के लिए राज्य शिक्षा-योजना अधिकारियों की तकनीकी क्षमता में सुधार करना था।

आन्ध्रप्रदेश, बिहार, हरियाणा, मध्यप्रदेश, मणिपुर, उड़ीसा और सिक्किम राज्यों के शिक्षा योजना अधिकारियों ने, जो कि स्कूल और प्रौढ़ शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और सचिवालय स्तर पर शिक्षा योजना से संबंधित थे, इस कार्यक्रम में भाग लिया।

पाठ्यक्रम की विषय सूची

केन्द्रीय शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्रालय, और योजना आयोग के शिक्षा विभाग के साथ विस्तृत विचार विमर्श के बाद तैयार किए गए कार्यक्रम में भारत में शिक्षा योजना के उद्देश्य सम्मिलित थे : चल योजना की संकल्पना; समाज के कमजोर वर्गों के लिए शिक्षा कार्यक्रम; आगामी योजना में शिक्षा; शिक्षा योजना में मानिटरिंग; मूल्यांकन और पुनर्निवेशन; ब्लाक / जिला स्तर पर शिक्षा योजना; शिक्षा में योजना कार्यान्वयन और विकल्प। इसके अलावा भाग लेने वाले संघ शिक्षा मंत्रालय और योजना आयोग गए तथा संबंधित अधिकारियों से विचार-विमर्श किया।

व्यावहारिक अभ्यास

कार्यक्रम के दूसरे चरण में व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। भाग लेने वालों को विभिन्न सेक्टरों में अपनी-अपनी राज्य योजना का मसौदा बनाने में निर्देश दिए गए। मसौदे पर पूर्ण अधिवेशन में विचार-विमर्श हुआ।

राज्य शिक्षा विभागों के सांख्यिकीय-सहायकों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

(मई 23-29, 1978)

राज्य शिक्षा विभागों की सांख्यिकीय-सहायकों के चुने हुए समूह के लिए 23 मई से 29 मई 1978 तक एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा विशेष रूप से केन्द्र शासित प्रदेश और विभिन्न राज्यों के शिक्षा विभागों में काम करने वाले सांख्यिकीय-सहायकों के लिए तैयार की गई। ये सहायक केन्द्रीय शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्रालय की आवश्यकतानुसार शिक्षा संबंधी आंकड़ों के एकत्रीकरण और संकलन का कार्य करते थे।

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इसमें भाग लेने वालों को राज्य से शिक्षा संबंधी वार्षिक आंकड़ों के इकट्ठा करने के फार्मों के विभिन्न रूपों से अवगत कराना और उन्हें पर्याप्त प्रशिक्षण देना था जिससे वे कई प्रकार के फार्मों को (ई एस-I, ई एस-II, ई एस-III, ई एस-IV) ठीक-ठीक और शीघ्रता से भर सकें।

भारत के तीन केन्द्र शासित प्रदेशों और लगभग सभी राज्यों के कुछ सांख्यिकीय अधिकारियों को मिलाकर 53 भाग लेने वाले इस पाठ्यक्रम में उपस्थित हुए।

मुख्य विषय

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में व्याख्यान विचार-विमर्श के मुख्य विषय से थे: सांख्यिकीय आंकड़ों का वर्गीकरण और सारिणीकरण; शिक्षा संबंधी आंकड़ों को एकत्र करने का संशोधित तरीका; कुछेक संस्थानों से उत्तर न मिलने का अनुमान लगाने की तकनीकें; विभिन्न स्तरों पर एकत्र किए गए आंकड़ों में सामान्य कमियां; यथार्थता निश्चित करना, और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों से संबंधित शिक्षा संबन्धी आंकडे। इसके अतिरिक्त विभिन्न ई ऐस-I, ई एस-II, ई एस-III, ई एस-IV पर सामूहिक विचार-विमर्श और संस्था के प्रपत्रों की व्यवस्था की गई, व्यावहारिक अभ्यास और सामूहिक कार्य के लिए भी अवसर दिए गए।

राष्ट्रीय सेवा योजना पर कार्य गोष्ठी

(अप्रैल 17-20, 1978)

केन्द्रीय शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्रालय के युवा सेवा केन्द्र के अनुरोध पर एनएस सी ई पी ए ने एन एस एस अभिविन्यास केन्द्रों के प्रभावी अधिकारियों, विश्वविद्यालयों के एन एस एस समन्वयकर्त्ताओं और शिक्षा मंत्रालय के क्षेत्र अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना पर चार दिन की कार्य गोष्ठी (अप्रैल 17-20, 1978) आयोजित की।

उद्देश्य

कार्यगोष्ठी के उद्देश्य निम्न थे :

(i) भाग लेने वालों को राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम (एन ए ई पी) की विशिष्टताओं से अवगत कराना;

(ii) उनको, उनके अपने राज्य में, एन एस एस के अन्तर्गत प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम को सफलतापूर्वक लागू करने पर टिप्पणी के आदान-प्रदान का अवसर देना।

(iii) एन एस एस के छात्र स्वयं सेवकों की उलझनों, एन ए ई पी में समाज और सहयोगी विभागों के विभिन्न पहलुओं पर विचार करना; और

(vi) एन एस एस के नियमित (समवर्ती) कार्यक्रम को सुदृढ़ता प्रदान करने वाले उपायों पर विचार करना और ऐसे कार्यक्रमों की मानीटरी एवं मूल्यांकन करना।

कार्यगोष्ठी में सारे देश से 44 लोगों ने भाग लिया।

मुख्य विषय

विचार किए गए विषयों में ये शामिल थे : राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम; एन एस एस के नियमित (समवर्ती) कार्यक्रमों को मजबूत करना, एन एस एस की गतिविधियों के बारे में मुहल्ला उपागम कार्यक्रम की योजना, प्रकाशन और अनुसंधान योजनाएं तथा अध्ययन, एन एस एस अभिविन्यास के विषय और विधि तंत्र का पुनरीक्षण करना और एन एस एस कार्यक्रमों का मानीटरी तथा मूल्यांकन करना।

साक्षरता कार्यक्रम की सांख्यिकी पर प्रशिक्षण संगोष्ठी

(फरवरी 6-10, 1979)

प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय और एन एस सी ई पी ए ने संयुक्त रूप से साक्षरता कार्यक्रम की सांख्यिकी पर पांच दिन की प्रशिक्षण संगोष्ठी (फरवरी 6 से 10, 1978) आयोजित की।

संगोष्ठी में निम्न बातें थीं: (i) कुछ जिलों में चालक परीक्षण के लिए प्रौढ़ों के लिए साक्षरता कार्यक्रम पर आंकड़ों के एकत्रीकरण के लिए मूल प्रश्नावली, सारणीयन योजना और नियम-पुस्तिका का विकास करना, (ii) साक्षरता कार्यक्रमों के मानक वर्गीकरण का विकास करना और स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम की प्रकृति और स्तर का विशेष विवरण देने के लिए संकेतकों को भी विकसित करना और (iii) साक्षरता कार्यक्रमों के विश्वसनीय आंकड़ों को एकत्र करने की प्रणाली का विकास करना।

दस राज्यों और एक केन्द्रशासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले 28 लोगों ने इस संगोष्ठी में भाग लिया।

संगोष्ठी में रखे गए विषयों में ये शामिल थे : निरक्षरता का विस्तार—विश्व और प्रादेशिक संदर्श, निरक्षरता का सामना करने के लिए भारत में विभिन्न प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम, चुने हुए जिलों में साक्षरता कार्यक्रम का कार्य करना; शिक्षा के वर्गीकरण के अन्तर्राष्ट्रीय स्तर वाली आधारभूत संकल्पनाएं और परिभाषाएं, साक्षरता कार्यक्रमों में आवश्यक आंकड़ों के प्रकार, प्रौढ़ साक्षरता कार्यक्रमों पर प्रचलित राष्ट्रीय आंकड़े एकत्र करने की पद्धति और इसकी अपर्याप्तताएं; मानीटरी और मूल्यांकन के लिए प्रौढ़ साक्षरता कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर पर आवश्यक आंकड़ों के प्रकार; एकत्रित किए गए आंकड़ों के आधार पर जिला और योजना स्तर पर विश्लेषण की तकनीक और सारणीयन के प्रकार; और प्रश्नावली प्रारूप को और क्षेत्र परीक्षण के बाद हिदायत पुस्तिका को अन्तिम रूप देना।

यू० पी० परिवीक्षाधीनों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

(फरवरी 13-25, 1979)

यू० पी० शिक्षा सेवा के सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों के पूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंश के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार, शिक्षा योजना एवं प्रशासन के कई पहलुओं में सम्पूर्ण अभिविन्यास के लिए अपने परिवीक्षाधीन अधिकारियों को राष्ट्रीय स्टाफ कालेज में प्रतिनियुक्त करती रही है।

तीन परिवीक्षाधीनों को, जो कि परिवीक्षाधीन के तौर पर भर्ती होने से पहले ही बी० एड० की परीक्षा पास कर चुके थे, प्रशिक्षण के लिए फरवरी 1979 में राष्ट्रीय स्टाफ कालेज में प्रतिनियुक्त किया गया।

शिक्षा योजना एवं प्रशासन से संबद्ध अन्य पहलुओं के अतिरिक्त उनके प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशासकीय और वित्तीय कार्य-विधियों तथा प्रबन्ध की नई तकनीकों का विचार विमर्श शामिल है। इसमें योजना आयोग, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और एन सी ई आर टी जाना और विशेषज्ञों से विचार-विमर्श तथा शिक्षा पर्यवेक्षण पर संगोष्ठी में भाग लेना भी शामिल है।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा के परिवीक्षाधीन प्रशिक्षार्थी श्री महेश चन्द्र पंत के लिए एन एस सी ई पी ए में 31 मई से 14 जून 1978 तक दो सप्ताह के अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया ताकि वे शिक्षा योजना एवं प्रशासन की महत्त्वपूर्ण संकल्पनाओं और नई शिक्षा विचारधाराओं से अवगत हो सकें और उन्हें जिला स्कूल निरीक्षक के रूप में अपने कर्तव्यों का प्रभावशाली ढंग से पालन करने में कुशलता प्राप्त करने में सहायता मिल सके। प्रशिक्षार्थी ने संस्था योजना पर कार्यगोष्ठी में भाग लिया और राज्यों में शिक्षा प्रशासन के सर्वेक्षण तथा सामाजिक रूप से रचनात्मक कार्य; शिक्षा योजना की तकनीकें, जिला शिक्षा अधिकारियों की भूमिका और कार्य; विज्ञान शिक्षा और ग्रामीण शिक्षा पर विचार-विमर्श किया। इस कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा (एन सी ई आर टी) के विभाग, शिक्षा प्रौद्योगिकी केन्द्र, योजना आयोग, दिल्ली प्रशासन के शिक्षा निदेशालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, केन्द्रीय विद्यालय संगठन और शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्रालय जाना और एन एस सी ई पी ए के निदेशक और संकाय के साथ बैठकें शामिल हैं।

दिल्ली प्रशासन के शिक्षा-अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

(जुलाई 13-18 और अक्टूबर 23-27, 1978)

दिल्ली प्रशासन के शिक्षा-निदेशालय के अनुरोध पर एन एस सी ई पी ए ने 13 से 18 जुलाई 1978 तक और 23 से 27 अक्टूबर 1978 तक दिल्ली के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा-योजना एवं प्रशासन पर दो अभिविन्यास कार्यक्रमों का आयोजन किया।

कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थे :

(i) भाग लेने वालों को दिल्ली प्रशासन के विशेष संदर्भ में शिक्षा-योजना, प्रशासन एवं पर्यवेक्षण की कुछ महत्त्वपूर्ण संकल्पनाओं और समस्याओं से अवगत कराना।

(ii) उन्हें गुणात्मक सुधार के कार्यक्रमों और शिक्षा की नई प्रवृत्तियों से अवगत कराना।

(iii) शिक्षा पर्यवेक्षक के रूप में उन्हें अपनी तकनीकी सक्षमता और सार्थकता सुधारने लायक बनाना।

दो कार्यक्रमों में 42 शिक्षा अधिकारियों ने भाग लिया (पहले कार्यक्रम में 18 ने और दूसरे में 24 ने)

मुख्य उद्देश्य

कार्यक्रम द्वारा जो उद्देश्य लिए गए थे—शिक्षा-योजना की आधारभूत संकल्पना और दृष्टिकोण; दस-वर्षीय उच्च स्कूल के लक्षण और संगठनात्मक एवं प्रशासनिक तात्पर्य, उच्चतर माध्यमिक शिक्षा का व्यवसायीकरण और इसका संगठनात्मक तात्पर्य; जिला / ज़ोनल शिक्षा-योजना, संस्था-योजना, राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम की योजना और कार्यान्वयन विधि, अध्यापकों की सेवाकाल में शिक्षा—जिला शिक्षा अधिकारियों की भूमिका; निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण; अध्यापन की नई तकनीकें; परीक्षा सुधार; योजना कार्यान्वयन के विशेष संदर्भ में जिला / ज़ोनल स्तर पर शिक्षा प्रशासन की समस्याएं, वित्तीय नियम, शिक्षा में गुणवत्ता के लिए वित्त-प्रबन्ध और योजना में शिक्षा अधिकारियों की सक्षमता में सुधार।

जम्मू और कश्मीर के ज़िला शिक्षा अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

(दिसम्बर 4-16, 1978)

जम्मू और कश्मीर के शिक्षा विभाग के अनुरोध पर एन एस सी ई पी ए ने जम्मू और कश्मीर के ज़िला शिक्षा अधिकारियों के लिए दिसम्बर 4 से 16, 1978 तक शिक्षा योजना एवं प्रशासन में दो सप्ताह के अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थे : भाग लेने वालों को जम्मू और कश्मीर के विशेष संदर्भ में शिक्षा-योजना, प्रशासन और पर्यवेक्षण के कुछ पक्षों से अवगत कराना, उन्हें गुणात्मक सुधार के कार्यक्रमों और शिक्षा की नई प्रवृत्तियों की जानकारी देना और शिक्षा पर्यवेक्षक के रूप में उन्हें अपनी तकनीकी सक्षमता और सार्थकता सुधारने का मौका देना।

जम्मू और कश्मीर के 12 जिला शिक्षा अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

पाठ्यक्रम की विषय सूची

कार्यक्रम में निम्नलिखित विषय लिए गए—

जम्मू और कश्मीर शिक्षा-विकास; प्रारंभिक शिक्षा का सरलीकरण; स्कूलों में अपव्यय और गतिहीनता; अनौपचारिक शिक्षा की संकल्पना और विधियां; समाज के कमजोर वर्ग के लिए शिक्षा के विशेष कार्यक्रम; कार्य अनुभव से संबंधित संकल्पना और कार्यकलाप; स्कूलों में विज्ञान शिक्षा को सबल करना और सुधारना; उच्चतर माध्यमिक शिक्षा का व्यावसायीकरण; सेवाकाल में अध्यापकों की शिक्षा—जिला शिक्षा अधिकारियों की भूमिका, स्कूलों में मूल्यांकन; राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम को लागू करने की योजना और विधियां; वित्तीय नियम; शिक्षा योजना की आधारभूत संकल्पनाएं और तकनीकें; छठी पंचवर्षीय योजना के दौरान शिक्षा विकास के लिए कार्य नीति और दृष्टिकोण; शिक्षा-योजना के लिए आवश्यक आंकड़े और शिक्षा में विश्लेषण, शिक्षा-योजना में प्रक्षेपण तकनीक; स्कूल मान-चित्रण; डिवीजन / ज़िला स्तर पर शिक्षा-योजना; संस्था-योजना शिक्षा योजनाओं का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण; मानीटरिंग तथा मूल्यांकन; भाग लेने के और समन्वयात्मक पक्षों पर बल देते हुए प्रशासन में नई संकल्पनाएं; योजना कार्यान्वयन पर विशेष संदर्भ सहित डिवीजन / ज़िला स्तर पर शिक्षा प्रशासन की समस्याएं।

हरियाणा के शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा पर्यवेक्षण पर संगोष्ठी

(फरवरी 16-26, 1979)

हरियाणा के शिक्षा विभाग के सहयोग से एन एस सी ई पी ए ने हरियाणा के जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए 19 से 26 फरवरी 1979 तक शिक्षा पर्यवेक्षण पर एक संगोष्ठी आयोजित की।

जिस संगोष्ठी में हरियाणा के 25 शिक्षा अधिकारियों ने भाग लिया उसके मुख्य उद्देश्य थे :

(i) भाग लेने वालों को पर्यवेक्षण की वर्तमान संकल्पनाओं, विधियों और तकनीकों से अवगत कराना;

(ii) उन्हें कुछ राज्यों के पर्यवेक्षण प्रोफार्मों और निरीक्षण रिपोर्टों से अवगत कराना;

(iii) उन्हें अपने भविष्य में काम लेने के लिए प्रोफार्मा का विश्लेषण करने, सुधारने और आजमाकर देखने के लिए समर्थ बनाना।

मुख्य उद्देश्य

संगोष्ठी में कई उद्देश्य लिए गए जिनमें ये भी शामिल थे : पर्यवेक्षण की वर्तमान संकल्पना; पर्यवेक्षण की विधियां और तकनीकें; परिवर्तनकर्ता के रूप में शिक्षा पर्यवेक्षण; प्राथमिक स्कूलों के पर्यवेक्षण में जिला शिक्षा अधिकारियों की भूमिका के विशेष संदर्भ में स्कूल काम्प्लेक्स और शिक्षा पर्यवेक्षण; संस्था-योजना; अध्यापकों की सेवा में शिक्षा के विशेष संदर्भ में शिक्षा-पर्यवेक्षण और स्टाफ विकास; स्कूलों में अध्यापन एवं मूल्यांकन की नवीनत तकनीकें; प्रारंभिक शिक्षा के साधारणीकरण और एन ए ई पी के विशेष कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में जिला शिक्षा अधिकारियों की भूमिका; शिक्षा पर्यवेक्षण के व्यावहारिक पक्ष (नेतृत्व और निर्णय-लेना, अभिप्रेरण मनोबल, प्रभावशाली संचार, मानव गतिकी और मानव संबंध); निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण के लिए शिक्षा की नई पद्धति (10+2) का तात्पर्य; पुनर्निवेशन और अनुवर्तव की भूमिका।

तमिलनाडु के विद्यालय शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

(5 मार्च से 10 मार्च 1979 तक)

तमिलनाडु के विद्यालय-शिक्षा निदेशालय तथा शैक्षिक योजना और प्रशासन के राष्ट्रीय स्टाफ कालेज के सम्मिलित सहयोग से नई दिल्ली में 5 मार्च से 10 मार्च, 1879 तक तमिलनाडु के विद्यालय शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए शैक्षिक योजना तथा प्रशासन संबंधी छह दिन के अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अभिविन्यास कार्यक्रम में 24 वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम के उद्देश्य निम्न थे : (क) भाग लेने वालों को तमिलनाडु राज्य के विशेष संदर्भ में शैक्षिक योजना तथा प्रशासन तथा पर्यवेक्षण की कुल संकल्पनाओं और समस्याओं से परिचित कराना; (ख) शिक्षा में गुणवत्ता सुधार की नई शैक्षिक प्रवृत्तियां तथा कार्यक्रमों से उन्हें परिचित कराना, तथा (ग) शिक्षा-पर्यवेक्षकों के रूप में उन्हें अपनी तकनीकी सक्षमता तथा प्रभाविता में सुधार करने योग्य बनाना।

मुख्य विषय

इस कार्यक्रम में ये विषय लिए गए थे : भारत में शैक्षिक योजना; छठी पंचवर्षीय योजना के विशेष संदर्भ में तमिलनाडु में शैक्षिक विभाग का पुनरीक्षण; राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम; कार्यान्वयन की संरचना और विधियां; उच्चतर माध्यमिक शिक्षा (+2 चरण), दर्शन, पाठ्यचर्या, विधिशास्त्र और मूल्यांकन; उच्चतर माध्यमिक शिक्षा का व्यावसायीकरण और इसके संगठनात्मक और प्रशासनिक निहितार्थ. कार्य अनुभव; संकल्पना और क्रिया कलाप; प्राथमिक शिक्षा की सर्वजनीनता; विद्यालयों में दुरुपयोग और अवरोध; योजना कार्यान्वयन के विशेष संदर्भ में ब्लाक जिला स्तर पर शिक्षा प्रशासन की समस्याएं; शिक्षा में गुणवत्ता के लिए योजना; शिक्षकों की सेवाकालीन शिक्षा; समेकित ग्रामीण विकास में शिक्षा अधिकारियों के शैक्षिक प्रसारण की भूमिका के विशेष संदर्भ में शिक्षा प्रसार के लिये जन संचार साधनों का उपयोग; ब्लाक / जिला में समेकित शैक्षिक विकास योजना।

केन्द्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्यों के लिए संस्थागत योजना पर कार्यगोष्ठी

(मई 30-जून 3, 1978)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के सहयोग से, एन एस सी ई पी ए ने केन्द्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्यों के लिए 30 मई से 3 जून, 1978 तक संस्थागत योजना पर कार्यगोष्ठी का आयोजन किया।

इस कार्यगोष्ठी में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के दिल्ली क्षेत्र के 25 प्रधानाचार्य उपस्थित हुए।

उद्देश्य

कार्यगोष्ठी के मुख्य उद्देश्य थे : भाग लेने वालों को संस्थागत योजना की संकल्पना और तैयारी और इससे संबंधित शिक्षा की आधुनिक प्रवृत्तियों से परिचित कराना और प्रधानाचार्यों को अपने विद्यालयों के सुधार के सभी पक्षों को समाहित करने वाली तीन वर्षीय अवधि की संस्थागत योजना का निर्माण करने में सक्षम बनाना।

पाठ्क्रम विषयवस्तु

इस कार्यगोष्ठी में संस्थागत योजना पर व्याख्यान-परिचर्चायें, समूह कार्य तथा वैयक्तिक अभ्यास का आयोजन किया गया था। व्याख्यान परिचर्चायें निम्नलिखित विषयों पर आयोजित की गई थीं—संस्थागत योजना की संकल्पना, दस वर्षीय विद्यालय के पाठ्यक्रम पर समीक्षा समिति-संस्थागत योजना पर इनका प्रभाव, उच्चतर माध्यमिक शिक्षा पर समीक्षा समिति—संस्थागत योजना पर इसका प्रभाव; तथा समाज उपयोगी उत्पादनशील कार्य—संस्थागत योजना पर इसका प्रभाव। समूह-कार्य सत्र में संस्थागत योजना में सुधार हेतु व्यावहारिक कार्य करने के लिए भाग लेने वालों को तीन समूहों में बांट लिया गया। इस कार्यगोष्ठी में भाग लेने वालों को दो दिन की अवधि में तैयार की गई अपनी-अपनी वैयक्तिक योजनाओं पर विशेषज्ञों से चर्चा करने के अवसर भी प्रदान किए गए।

दक्षिणी क्षेत्र के पोलिटैकनिकों के प्रशासकों तथा वरिष्ठ संकाय सदस्यों के लिए प्रबंध अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम

(मद्रास में 2 अक्तूबर से 7 अक्तूबर 1978 तक)

मद्रास राज्य में अडयार में स्थित तकनीकी अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान के अनुरोध पर राष्ट्रीय स्टाफ कालिज ने दक्षिणी क्षेत्र के पोलिटेकनिकों के प्रशासकों तथा वरिष्ठ संकाय सदस्यों के लिए मद्रास में 2 अक्तूबर से 7 अक्तूबर 1978 तक एक प्रबंध अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पोलिटेकनिकों के 12 प्रशासकों तथा वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

उद्देश्य

इस कार्यक्रम का व्यापक उद्देश्य मद्रास तथा अन्य दक्षिणी क्षेत्र में तकनीकी अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान में से एक मूल संकाय बनाने के लिए श्रेणीकृत प्रबंध अभिविन्यास प्रशिक्षण प्रारंभ करना था। इस कार्यक्रमके उद्देश्य इस प्रकार थे; शैक्षिक प्रशासकों के लिए प्रबंध अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अभिविन्यास कार्यक्रमों का संचालन; कार्यरत व्यक्तियों का अध्ययन तथा इसी प्रयोजन के लिए आधार दत्तसामग्री को एकत्रित करना; संकेतिक सूचना निकालना; पोलिटेकनिकों में कार्य-पद्धति का अभिलेखन तथा इष्टतम सिद्धि; संवृद्धि के क्षेत्रों का प्रत्यक्षीकरण नीति तथा संस्थागत योजना; संकाय सदस्यों में दल भावना का निर्माण, कार्यसमीक्षा के लिए साधनों का विकास कार्य, व्यक्तियों तथा संस्थाओं की समीक्षा तथा मूल्यांकन।

पाठ्य विषय वस्तु

कार्यक्रम में व्याख्यान-परिचर्चाओं, केस अध्ययनों तथा समूह अभ्यासों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में व्याख्यान परिचर्चाओं के मुख्य विषय इस प्रकार थे—पोलिटेकनिकों तथा राष्ट्रीय विकास और परिवर्तन में उनकी भूमिका; प्रबंध तथा प्रशासन में नई दिशायें, संगठनात्मक गतिशीलता; प्राधिकार; उत्तरदायित्व तथा उनका निर्वाह; नेतृत्व शैलियां; संघर्ष प्रबंध, प्रबंध तथा सम्प्रेषण; समूह गतिशीलता; कार्य तथा व्यक्तियों का मूल्यांकन; भारत में उत्तर माध्यमिक शिक्षा की बाद की समस्यायें तथा उसका भविष्य; योग्यता की माप तथा परीक्षण।

केस अध्ययनों में निम्न विषयों पर विचार किया गया; शैक्षिक संस्थाओं के संदर्भ में प्रशासन की भूमिका; प्रबंध में अभिप्रेरणा तथा साहस। समूह-अनुभवों का संबंध वरिष्ठ तथा अधीनस्थ कर्मचारियों के संबंध में भूमिका निर्वाह; प्रबंध में सृजन शीलता तथा नवीन प्रक्रिया तथा दल निर्माण आदि विषयों से है।

तमिलनाडु के महाविद्यालय के प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षिक योजना तथा प्रशासन संबंधी अभिविन्यास कार्यक्रम

(तमिलनाडु में 16 अक्तूबर से 29 नवम्बर, 1978 तक)

तमिलनाडु सरकार के महाविद्यालय शिक्षानिदेशालय ने राष्ट्रीय स्टाफ कालिज के सहयोग से तमिलनाडु के कला और विज्ञान तथा प्रशिक्षण कालिजों के प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षिक योजना तथा प्रशासन संबंधी अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किवा।

चूंकि प्रधानाचार्यों का लम्बे समय तक कालिजों से अनुपस्थित रहना कठिन था, इस कारण निम्न-लिखित सात केन्द्रों में से प्रत्येक में तीन दिन की अवधि का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

केन्द्र का नाम	भाग लेने वालों की संख्या
1. मद्रास पुरुष केन्द्र	22
2. मद्रास स्त्री केन्द्र	33
3. त्रिचिरापल्ली केन्द्र	27
4. मदुरई पुरुष केन्द्र	35
5. कोयम्बतूर केन्द्र	21
6. मदुरई स्त्री केन्द्र	20
7. तिरुनेलवेली केन्द्र	25

कार्यक्रम का आयोजन (क) तमिलनाड के कला, विज्ञान तथा प्रशिक्षण कालिजों के प्रधानाचार्यों के लिए स्तरीय प्रबंध अभिविन्यास प्रशिक्षण प्रारंभ करने तथा (ख) उन्हें कालेज प्रशासन में उत्पन्न होने वाली कठिनाइयों का सामना करने के योग्य बनाने की दृष्टि से किया गया था। इस कार्यक्रम के विशिष्ट उद्देश्य निम्न थे (i) भाग लेने वालों को भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान प्रवृत्तियों तथा मुख्य समस्याओं से परिचित कराना; (ii) संस्थागत योजना : संकाय विकास तथा विद्यार्थी-कल्याण आदि कार्यक्रमों में एक परिवर्तन अभिकर्ता के रूप में उनकी भूमिका के महत्त्व की जानने में सहायता करना तथा (iii) सामान्य रूप से वाधुनिक प्रबंध तकनीकों की तथा शैक्षिक प्रशासन में उनके प्रयोग किए जाने की जानकारी देना।

मुख्य विषय :

कार्यक्रम में निम्नलिखित विषय सम्मिलित किए गए थे; सन् 1947 से भारतीय उच्च शिक्षा के समस्याएं तथा उसका भविष्य (विशेष रूप से कालेजों के संदर्भ में); संस्थागत योजना, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग। राज्य द्वारा अनुदान आदि; विद्यार्थियों से संबंधित समस्याएं; प्रबंध की आधुनिक तकनीक और कालेज प्रधानाचार्यों की भूमिका; संकाय से संबंधित समस्यायें; अनुदेशात्मक सहयोग सेवाएं; गुणवत्त संवर्धन; कालेज के कैम्पस की देखभाल तथा उसमें सुधार; कालेजों के लिए शिक्षा में संरचनात्मक परिवर्तन का महत्त्व; कालेज तथा समुदाय।

गुजरात तथा मध्यप्रदेश के महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी अभिविन्यास कार्यक्रम

(नई दिल्ली : 26 दिसम्बर 1978 से 6 जनवरी 1979 तक)

गुजरात तथा मध्य प्रदेश सरकार के अनुरोध पर राष्ट्रीय स्टाफ कालेज ने गुजरात और मध्यप्रदेश के महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षिक योजना तथा प्रशासन सम्बन्धी 12 दिन के एक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया।

उद्देश्य—

कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य निम्न थे: (1) भाग लेने वालों को भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र की वर्तमान प्रवृत्तियों तथा मुख्य समस्याओं से परिचित कराना; (2) महाविद्यालयों के विकास तथा उच्च शिक्षा के गुणवत्ता संवर्धन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की भूमिका से उन्हें परिचित कराना; (3) शैक्षिक प्रशासन के क्षेत्र में आधुनिक प्रबन्ध तकनीकों तथा उनके अनुप्रयोग की जानकारी प्राप्त करवाना तथा (4) संस्थागत योजना, संकाय विकास, विद्यार्थी कल्याण और समुदाय सेवाओं के कार्यक्रमों में परिवर्तन अभिकर्ता के रूप में उन्हें अपनी भूमिका के महत्त्व को समझने योग्य बनाना।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालयों के 41 प्रधानाचार्यों ने भाग लिया जिसमें से 25 गुजरात से तथा 16 मध्य प्रदेश से थे।

पाठ्यक्रम विषयवस्तु

गुजरात और मध्यप्रदेश सरकार के शिक्षा विभाग के वरिष्ट अधिकारियों से विस्तृत चर्चा करने के पश्चात् यह कार्यक्रम तैयार किया गया था तथा इसमें निम्नलिखित विषयों को सम्मिलित किया गया था : भारत में उच्च शिक्षा (विशेष रूप से महाविद्यालयों के संदर्भ में) की समस्याएं तथा भविष्य; उच्च शिक्षा (विशेष रूपसे महाविद्यालयों के संदर्भ में) की समस्याएं तथा भविष्य; उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन-उच्च शिक्षा के स्तरों को बनाए रखने तथा उनमें सुधार लाने में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की भूमिका; संबद्ध महाविद्यालय तथा उनका स्तर; सहायता प्राप्त महाविद्यालयों की समस्याएं : एक तुलनात्मक अध्ययन; उच्च शिक्षा का वित्तीयन; सुधारात्मक शिक्षा; पूर्व में कार्य-अभिविन्यस्त पाठ्यक्रम; संकाय

सुधार तथा मूल्यांकन; अधिगम साधन केन्द्र, (प्रयोगशाला, पुस्तकालय आदि), अध्यापन तथा सीखने में सुधार; प्रबन्ध तथा प्रशासन में नई दिशाएं; शैक्षिक प्रशासन की भूमिका; शैक्षिक प्रबन्ध तथा सम्प्रेषण; संस्थागत योजना तथा नियोजन अभ्यास, आंतरिक मूल्यांकन; महाविद्यालय तथा राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम, स्वायत्त महाविद्यालय; विद्यार्थी सेवाओं का प्रवन्ध विद्यार्थी संघ; महाविद्यालय वित्त का प्रबन्ध; संघर्ष प्रबन्ध; दल निर्माण; नवीन प्रक्रिया तथा सृजनशीलता, पाठ्येतर क्रियाकलापों का प्रबन्ध; महाविद्यालय तथा समुदाय; तथा संबद्ध महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर शिक्षा।

शैक्षिक योजना और प्रबन्ध में पहला पत्राचार पाठ्यक्रम

(1978 से 1979 तक)

राष्ट्रीय स्टाफ कालेज ने एशिया, ओसिएनिया तथा बैंकाक में स्थित शिक्षाके यूनेस्को क्षेत्रीय कार्यालय के सहयोग से वरिष्ठ शिक्षा योजनाकारों तथा प्रबन्धकों के लिए, जो अधिमान्यत: केन्द्र तथा राज्यों/संघराज्यों में जिला शिक्षा अधिकारियों की श्रेणी से कम नहीं थे, शैक्षिक योजना तथा प्रबन्ध में एक पत्राचार कार्यक्रम आरम्भ किया। देश में अपने ही प्रकार का यह पाठ्यक्रम एक जुलाई 1978 को आरम्भ हुआ तथा छह माह तक चलता रहा। इस पाठ्यक्रम का निर्माण शिक्षा योजनाकारों तथा प्रशासकों को अपने कार्य क्षेत्र से दूर किए बिना उनकी तकनीकी सक्षमता में संवर्धन की आवश्यकता को ध्यान में रखकर किया गया था। इस पाठ्यक्रम में भाग लेने वाले 76 व्यक्तियों को नामांकित किया गया।

मुख्य उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के मुख्य उद्देश्य निम्न थे :

2. (क) भाग लेने वालों को स्वतंत्रता प्राप्त होने के बाद की अवधि में भारत में शिक्षा के क्षेत्र में होने वाले विकास से परिचित करवाना;

(ख) भाग लेने को सामान्यत: शिक्षा के क्षेत्र में तथा विशेषत: शैक्षिक योजना और प्रबन्ध में आधुनिक प्रवृत्तियों से परिचित करवाना;

(ग) भाग लेने वालों को शिक्षा योजनाकारों तथा प्रशासकों के रूप में अपनी तकनीकी सक्षमता तथा प्रभाविता में संवर्धन के लिए आवश्यक अभिवृतियों, कौशलों तथा ज्ञान का विकास करना।

(घ) भाग लेने वालों में अपनी सतत व्यावसायिक वृद्धि के लक्ष्य के लिए स्व-अधिगम की प्रक्रिया का प्रचलन।

पाठ्यक्रम विषय-वस्तु :

3. पाठ्यक्रम को दो भागों में विभाजित किया गया था : (i) पत्राचार भाग तथा (ii) संपर्क कार्यक्रम। पत्राचार भाग छह माह तक चलता रहा तथा इसके मुख्य विषय इस प्रकार थे :

(i) भारत में शैक्षिक योजना और प्रशासन की समीक्षा;

(ii) शैक्षिक योजना के सिद्धान्त और तकनीक;

(iii) शैक्षिक योजना के लिए आवश्यक सांख्यिकी;
(iv) शिक्षा का अर्थशास्त्र तथा
(v) शैक्षिक प्रशासन में प्रयोज्यता के विशेष संदर्भ में आधुनिक प्रबन्ध के मूल सिद्धान्त तथा तकनीक।

लेखक कार्य गोष्ठी

4. इस कार्यगोष्ठी का मुख्य कार्य अध्ययन सामग्री तैयार करना था। इकाइयों की एक सूची अस्थायी रूप से तैयार की गई थी और लेखकों से इन्हीं रूपरेखाओं पर पाठ तैयार करने का अनुरोध किया गया था। प्रारूप इकाइयों पर चर्चा की गई और 24 अप्रैल से 28 अप्रेल, 1978 तक होने वाली लेखक कार्य-गोष्ठी में उन्हें अंतिम रूप दिया गया। एशिया, ओसिएनिया तथा बैंकाक में यूनेस्को क्षेत्रीय कार्यालय में शिक्षा प्रबन्ध सलाहकार डॉ० अनन्दा डब्लू० पी गुरुगे ने भी इस लेखक कार्यगोष्ठी में उस समय भाग लिया जब कि अंतिम रूप दिए जाने से पहले प्रत्येक एकक की निकटता से जांच की जा रही थी।

5. इकाइयां की कुल संख्या 36 मानी गई और उन्हें छह पुस्तकों में समुचित रूप से विभाजित किया गया। 1 जुलाई 1978 को यह पाठ्यक्रम आरम्भ किया गया जबकि भाग लेने वालों को पहली पुस्तक भेजी गई। भाग लेने वालों को एक माह में एक पुस्तक भेजी गई। अध्ययन सामग्री की अंतिम किस्त 29 दिसम्बर, 1978 की भेजी गई।

पहला संपर्क कार्यक्रम

6. भाग लेने वालों के अधिक संख्या में होने के कारण पहला संपर्क कार्यक्रम दो समूहों में आयोजित किया गया: (i) 17 से 23 अगस्त 1978 तक तथा (ii) 27 अगस्त से 2 सितम्बर 1978 तक। पहले समूह में 31 व्यक्तियों ने भाग लिया और दूसरे में 25 व्यक्ति थे। संपर्क कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार थे:

—विचारों के स्पष्टीकरण, विस्तारण अथवा विशदीकरण के लिए पाठ-इकाइयों के लेखकों से भाग लेने वालों की भेंट;
—अपने नियत कार्य के सम्बन्ध में अपने अध्यापकों मे भेंट;
—भाग लेने वाले व्यक्तियों द्वारा अनुभव की गई कठिनाइयों पर विचारों का आदान-प्रदान तथा पाठ्यक्रम को भाग लेने वालों की आवश्यकओं के अनुकूल बनाना।

सभी भाग लेने वालों से अपनी पसंद की पांच पुस्तकों पर पांच दत्तकार्य करने को कहा गया अथवा तीन दत्तकार्य तथा एक उपसत्र लेख तैयार करके भेजने के लिए कहा गया।

दूसरा संपर्क कार्यक्रम

7. भाग लेने वालों के लिए दूसरा संपर्क कार्यक्रम 27 फरवरी से 3 मार्च 1979 तक आयोजित

किया गया। दूसरे संपर्क कार्यक्रम में 40 ऐसे व्यक्तियों ने भाग लिया जिन्होंने अपने दत्तकार्य / उपसत्र लेख समाप्त कर लिए थे। भाग लेने वालों का राज्यवार विभाजन इस प्रकार है :

हिमाचल प्रदेश	1
केरल	3
मध्यप्रदेश	2
महाराष्ट्र	10
नागालैंड	2
राजस्थान	2
तमिलनाडु	8
उत्तर प्रदेश	2
पश्चिमी बंगाल	1
अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह	4
दिल्ली	3
योजना आयोग	1
केन्द्रीय विद्यालय संगठन	1
	40

भाग लेने वालों द्वारा भेजे गए उत्तर-पत्रों पर चर्चा तथा कुछ के द्वारा तैयार किए गए उपसत्र लेखों का प्रस्तुतीकरण दूसरे संपर्क कार्यक्रम के दो मुख्य विषय थे। इस कार्यक्रम में शिक्षा डिवीजन योजना आयोग के अध्यक्ष डॉ० एस० एन० सराफ द्वारा 1979 से 1984 तक की रोलिंग योजना में शिक्षा विषय पर एक व्याख्यान परिचर्चा आयोजित की गई। इस अवसर का उपयोग दूसरे पत्राचार पाठ्यक्रम की पाठ इकाइयों के मूल्यांकन के लिए भी किया गया था। इस कार्यक्रम में उपजिला स्तर के शिक्षा अधिकारियों के लिए विविध क्षेत्रीय भाषाओं में शैक्षिक योजना और प्रशासन में इसी प्रकार का एक पाठ्यक्रम विकसित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। भाग लेने वाले जिन व्यक्तियों ने पाठ्यक्रम को संतोषजनक रूप से समाप्त कर लिया था उन्हें प्रमाण पत्र दिए गए।

उच्च शिक्षा के प्रशासन के कुछ पक्षों पर संगोष्ठी

(3 से 5अगस्त, 1978 तक)

शिक्षा योजनाकारों तथा प्रशासकों के राष्ट्रीय स्टाफ कालेज ने भारत में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक प्रतिष्ठान के अनुरोध पर उन्हीं के प्रशासकों की परियोजना, 1978 के अन्तर्गत संयुक्त राज्य अमरीका जाने वाले कुछ चुने हुए महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए 'उच्च शिक्षा के प्रशासन के कुछ पक्ष' विषय पर तीन दिन की एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

इस संगोष्ठी के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार थे : भाग लेने वालों द्वारा भारत तथा संयुक्त राज्य अमरीका में उच्च शिक्षा के विकास में प्रचलित प्रवृत्तियों के संबन्ध में अपने अनुभवों का आदान-प्रदान, संबद्ध महाविद्यालयों विशेष सन्दर्भ में भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्रों को पहचानने में सहायता करना जिससे उनमें सार्थक परिवर्तन किए जा सकें तथा उपस्थित संसाधनों द्वारा संभावित शैक्षिक नवीन प्रक्रियाओं के प्रचलन पर विचार विमर्श किए जा सके।

आसाम, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु राज्यों तथा दिल्ली संघ राज्य के एक-एक महाविद्यालय में से प्रधानाचार्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

मुख्य विषय

भारत में संयुक्त राज्य के शैक्षिक प्रतिष्ठान के अधिकारियों से विस्तृत चर्चा करने के पश्चात् संगोष्ठी के मुख्य विषय इस प्रकार निर्धारित किए गए : प्रवेश विधि तथा समस्याएं : स्तरों का प्रत्यायन तथा परिरक्षण; विद्यार्थी सेवाएं, संकाय संवर्धन कार्यक्रम; महाविद्यालयों का प्रशासन तथा महाविद्यालय-समुदाय अन्योन्य क्रिया।

ब्रिटेन जाने वाले प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम

(11 से 13 सितम्बर 1978 तक)

राष्ट्रीय स्टाफ कालेज ने ब्रिटेन जाने वाले प्रधानाचार्यों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम माध्यमिक शिक्षा केन्द्रीय बोर्ड के परामर्श से तैयार किया गया था।

उद्देश्य

इस अभिविन्यास कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य निम्न थे : भारतीय शिक्षा में नवीन प्रक्रियाओं के संबन्ध में भाग लेने वालों का ज्ञानवर्धन करना; विद्यालय शिक्षा पर ईश्वरभाई तथा आदिशेषिया समिति की रिपोर्टों की सिफारिशों के कार्यान्वयन में उत्पन्न होने वाली कठिनाइयों सहित प्रबन्ध की समस्याओं को जानने में भाग लेने वालों की सहायता करना।

इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों के आठ प्रधानाचार्यों ने भाग लिया।

मुख्य विषय

पाठ्यक्रम के मुख्य विषय निम्न थे :

भारतीय विद्यालय पद्धति में नवीन प्रक्रियाएं; समाज उपयोगी उत्पादक कार्य (इश्वरभाई पटेल समिति की रिपोर्ट के विशेष सन्दर्भ में) : विद्यालयों में मानवीय संबन्ध; अधीक्षकों के रूप में प्रधानाचार्य; +2 अवस्था पर व्यावसायीकरण (माल्कम एस० आदिशेषिया समिति की रिपोर्ट के सन्दर्भ में); शैक्षिक प्रौद्योगिकी, भारतीय शिक्षा योजना के नए लक्ष्य तथा विद्यालय और समुदाय के संबन्ध।

LIBRARY & DOCUMENTATION CENTRE
National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC, No....D-9359
Date....5-12-96

भारत में संयुक्त राज्य शैक्षिक प्रतिष्ठान की प्रशासन परियोजना 1979 के अंतर्गत संयुक्त राज्य अमरीका जाने वाले महाविद्यालयों से चुने गए प्रधानाचार्यों के एक समूह के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

(20 से 22 मार्च 1979 तक)

भारत में संयुक्त राज्य शैक्षिक प्रतिष्ठान के अनुरोध पर राष्ट्रीय स्टाफ कालेज ने यू एस ई एफ आई के प्रशासकों की परियोजना के अन्तर्गत संयुक्त राज्य अमरीका जाने वाले महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के एक समूह के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम दो भागों में गठित किया गया : तैयारी और अभिविन्यास। यह तैयारी कार्यक्रम तीन दिन (13 से 15 फरवरी तक) का था और इसमें निम्न विषयों पर चर्चा की गई थी : विद्यार्थी सेवा, संकाय संवर्धन कार्यक्रम, मूल्यांकन तथा महाविद्यालय-समुदाय अन्योन्य क्रिया। यात्रा प्रारंभ होने से पहले फिर तीन दिन (20 से 22 मार्च तक) का एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उद्देश्य

इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य निम्न थे : (i) भाग लेने वालों को भारत में उच्च शिक्षा के विकास से अवगत कराना; (ii) उन्हें संयुक्त राज्य अमरीका में उच्च शिक्षा के पैटर्न से परिचित करवाना तथा भारत और अमरीका में उच्च शिक्षा के विकास में अधुनातन प्रवृत्तियों की तुलना करना; तथा (iii) वर्तमान संरचना में संभावित शैक्षिक नवीन प्रक्रियाओं पर विचार-विमर्श करना।

नागालैंड, तमिलनाडु तथा कश्मीर, उत्तर प्रदेश, बंगलौर, गोआ और महाराष्ट्र राज्यों तथा संघ राज्यों के महाविद्यालय के प्रधानाचार्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

इस कार्यक्रम में निम्न विषयों को सम्मिलित किया गया था—भारतीय उच्च शिक्षा की वर्तमान समस्याओं पर एक विहंगावलोकन; संयुक्त राज्य अमरीका में उच्च शिक्षा की समसामयिक समस्याएं; राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा तथा महाविद्यालय, संयुक्त राज्य अमरीका का प्रारंभिक सांस्कृतिक सर्वेक्षण; शैक्षिक नेतृत्व की प्रभावी शैलियां; और संस्थागत योजना।

संयुक्त-राज्य अमरीका के सामाजिक विज्ञानों के पर्यवेक्षकों तथा पाठ्यक्रम निदेशकों के लिए भारतीय इतिहास तथा संस्कृति में कार्यगोष्ठी

(19 जून से 12 जुलाई, 1978 तक)

भारत में संयुक्त राज्य शैक्षिक प्रतिष्ठान के अनुरोध पर राष्ट्रीय स्टाफ कालेज ने संयुक्त राज्य अमरीका के सामाजिक विज्ञानों के पर्यवेक्षकों तथा पाठ्यक्रम निदेशकों के लिए भारतीय इतिहास तथा संस्कृति पर 19 जून से 12 जुलाई, 1978 तक चार सप्ताह की एक कार्यगोष्ठी का आयोजन किया।

उद्देश्य :

कार्यगोष्ठी के मुख्य उद्देश्य निम्न थे :

(i) भारतीय इतिहास और संस्कृति के विभिन्न पक्षों का अध्ययन;

(ii) भाग लेने वालों को भारत में शिक्षा की मुख्य प्रवृत्तियों तथा उसके बदलते हुए पैटर्न से परिचित कराना;

(iii) आधुनिक भारत की ऐतिहासिक बिचार-धाराओं तथा विषम विचार-धाराओं के विषय में जानकारी बढ़ावा जिससे संयुक्त राज्य के विद्यालयों में भारतीय इतिहास और संस्कृति के अध्यापन में प्रगति हो सके; तथा

(iv) भारतीय विद्वानों की सहायता से पारस्परिक सद्भावना में वृद्धि।

इस पाठ्यक्रम में 18 व्यक्तियों ने भाग लिया।

मुख्य विषय

कार्यगोष्ठी के मुख्य विषय निम्न थे : एक विहंगावलोकन; भारतीय स्वतंत्रता के लिए संघर्ष; भारतीय प्रजातंत्र; विश्व के मसलों में भारत की भूमिका; राजनीतिक दल; योजना प्रक्रिया; स्वाधीनता के पश्चात आर्थिक वृद्धि; हरित क्रांति; औद्योगिक नीति और वृद्धि; विकासशील देशों के आर्थिक विकास में भारत का योगदान, समाकलित ग्राम विकास; भारतीय मूल्य पद्धति; भारत में स्थायित्व और परिवर्तन के लिए स्त्रियों का योगदान; सामाजिक रूपान्तरण; नगरीकरण की समस्याएं; निष्पादित कलाएं; भारतीय स्थापत्य कला; भारत में रंगमंच; विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका; भारतीय सन्दर्भ

में जन संपर्क माध्यम; भारतीय शिक्षा में नई प्रवृत्तियां; सामाजिक विज्ञानों में पाठ्यक्रमों में सुधार; साहित्यिक परम्परा; आधुनिक भारतीय साहित्य के तथ्य; भारतीय पुनर्जागरण में धर्म की भूमिका; जनांकिकीय दृश्य; भारतीय समाज में कमजोर वर्गों की सामाजिक और आर्थिक प्रस्थिति; तथा भारतीय जीवन के विविध पक्षों में गांधीजी का योगदान। इसके अतिरिक्त भाग लेने वालों की भारत के प्रधानमन्त्री तथा शिक्षा और समाज कल्याण मन्त्री से भी भेंट करवाई गई।

संग्रहालय, कुछ चुनी हुई संस्थाओं, ओखला औद्योगिकी प्रतिष्ठान तथा ग्रामीण और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आठ वीक्षणों तथा संकाय सदस्यों और भाग लेने वालों के बीच चार साप्ताहिक समीक्षा सत्रों का आयोजन किया गया।

यूनेस्को द्वारा प्रयोजित विद्यालय नामांकन के प्रक्षेपण की विधियों पर एक राष्ट्रीय प्रशिक्षण संगोष्ठी

(20 नवम्बर से 1 दिसम्बर, 1978 तक)

राष्ट्रीय स्टाफ कालेज ने शिक्षा के सांख्यिकी विभाग तथा सांख्यिकी कार्यालय, पेरिस, यूनेस्को के सहयोग से विद्यालय नामांकन के प्रक्षेपण की विधियों पर 20 नवम्बर से 1 दिसम्बर 1978 तक एक राष्ट्रीय प्रशिक्षण संगोष्ठी का आयोजन किया ।

उद्देश्य

इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य भाग लेने वालों को विद्यालय नामांकन के प्रक्षेपण और विश्लेषण की विधियों से अवगत कराना था । इस संगोष्ठी में भारत में उपलब्ध शिक्षा और जनसंख्या सांख्यिकी तथा इस देश की जनसंख्या वृद्धि की उच्च दर के अनुकूल विधियों पर बल दिया गया । विभिन्न राज्यों तथा संघ राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले 29 व्यक्तियों ने इस संगोष्ठी में भाग लिया ।

मुख्य विषय

इस संगोष्ठी में निम्न विषयों पर चर्चा की गई : भारत में जनसंख्या की विशेषतायें, शैक्षिक योजना के लिए आवश्यक मूल जनांकिकीय संकेतक तथा जनांकिकीय आंकड़े, भारत में जनसंख्या प्रक्षेपण की प्रणाली और तकनीक, विद्यालय में विद्यालय आयु जनसंख्या नामांकन के समावेशन के उपाय, नामांकन अनुपात, भारत में शिक्षा सांख्यिकी में अनानुक्रिया के आकलन में प्रक्षेपण तकनीक का प्रयोग, भारत में शिक्षा सांख्यिकी, आंकड़े, संग्रह, समावेशन तथा लुप्तांशों का गठन, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीय स्तर वर्गीकरण (आई एस इ डी) तथा भारत में इसका अनुप्रयोग, भारत में शिक्षा—सांख्यिकी का संग्रह, संकलन तथा उसके प्रयोग की समस्यायें, नामांकन प्रवाह सांख्यिकी, शिक्षा अपव्यय के विश्लेषण की तकनीक, विद्यालय पद्धति की आंतरिक दक्षता के सूचक, शिक्षा में नमूना सर्वेक्षण पद्धतियां, प्राथमिक शिक्षा में नई भरती के प्रक्षेपण की विधियां, न्यूनतम वर्ग प्रणाली, शैक्षिक योजना में नामांकन परियोजनाओं तथा भारत में प्रयोग की जाने वाली नामांकन प्रक्षेपण की विधियों का महत्व, ग्रेड द्वारा नामांकन प्रक्षेपण की विधि, ग्रेड संक्रमण माडल तथा ग्रेड अनुपात माडल, भविष्य में संक्रमण दर के विकास के प्रक्षेपण की विधियां तथा अध्यापकों की आवश्यकताओं के प्रक्षेपण की विधियां ।

नई अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में शिक्षा का योगदान

शिक्षा योजनाकारों और प्रशासकों के राष्ट्रीय स्टाफ कालेज में "नई अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में शिक्षा का योगदान" विषय पर 22 जनवरी से 27 जनवरी तक एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। एशिया ओशेनिया, बैंकाक में शिक्षा के यूनेस्को क्षेत्रीय कार्यालय के साहचर्य से शैक्षिक योजना अंतर्राष्ट्रीय, संस्थान पैरिस तथा राष्ट्रीय स्टाफ कालेज, नई दिल्ली के सहयोग से इस संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें बंगला देश, हंगरी, कोरिया, नेपाल, श्रीलंका, थाईलैंड, यूगोस्लाविया तथा भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले 32 व्यावसायिक विशेषज्ञों तथा प्रसिद्ध अर्थशास्त्रियों तथा आयोजक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

संगोष्ठी में निम्न विषयों पर चर्चा की गई—शिक्षा और समानता, शिक्षा और रोजगार तथा शिक्षा और ग्राम विकास।

संगोष्ठी में निम्न पत्र प्रस्तुत किए गए :—

— शिक्षा तथा नई अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था कुछ समस्यायें—जे० वी० राघवन।

—समानता में शिक्षा का योगदान

एम० एस० अदेशिषिया।

— विकास में (विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में) शिक्षा की प्रासंगिकता—जे० पी० नायक।

— शिक्षा और रोजगार : अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में शिक्षा और रोजगार से संबंधित समस्यायें तथा उनका भविष्य—पी० आर० पंचमुखी।

— गरीबों द्वारा स्थानीय स्तर पर स्व-जीविका विकास की वैकल्पिक नीति—आर० सी० मलहोत्रा।

संगोष्ठी में वितरित किए गए अन्य प्रपत्रों का ब्यौरा इस प्रकार है :

— नई अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था—परिसर और प्रभाव—राम आसरे राय।

— नई अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था की ऐतिहासिक आवश्यकता—बी० सफेर।

— सुविकसित उपाय पर केंद्रित विकास नीति में शिक्षा और रोजगार की समस्यायें और नीतियां

—टामस जोंटस।

संगोष्ठी में निम्न सुझाव दिए गए :—

— विकास का कोई भी एक 'विशिष्ट' माडल सभी राष्ट्रों को मान्य नहीं है।

— समानता, न्याय, स्वतन्त्रता तथा आत्म निर्भरता पर आधारित एक नई अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था

की स्थापना पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना चाहिए।

— प्रत्येक देश का केवल अपने ही देशवासियों के लिए ही उत्तरदायित्व नहीं है बल्कि पूरी मानवजाति के प्रति भी उत्तरदायित्व है जो सहयोग और पारस्परिक सहायता पर निर्भर होना चाहिए।

— शिक्षा पद्धति को सभी स्तर पर नई आर्थिक व्यवस्था के हित में एक सशक्त सार्वजनिक मत का निर्माण करने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए तथा सभ्रांत व्यक्तियों को इसके लिए आवश्यक वातावरण तैयार करने के लिए नेतृत्व प्रदान करना चाहिए।

— शिक्षा पद्धति को सर्वजनीन प्रारंभिक शिक्षा को अग्रता प्रदान करनी चाहिए तथा उच्च शिक्षा के विस्तार पर नियंत्रण रखना चाहिए। जैसाकि शैक्षिक नवीन प्रक्रियाओं और विकास कार्यक्रम के लिए एशियाई कार्यक्रम (ए पी इ आई ओ) में लक्षित है, शैक्षिक नवीन प्रक्रियाओं के लिए उचित वातावरण के निर्माण की आवश्यकता है।

— प्रत्येक देश द्वारा अपनी शिक्षा नीति की शैक्षिक अंत:संरचना में मूल परिवर्तन करने की दृष्टि से पुन: विलोकन किए जाने की आवश्यकता है जिससे वह अधिक प्रभावशाली बन सके।

— धन और शक्ति के समान वितरण की तथा विकासशील देशों के आर्थिक एकाधिकार को समाप्त करने की आवश्यकता है।

— समानता के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा नीति में प्राथमिक और प्रौढ़ शिक्षा को प्राथमिकता प्रदान करनी चाहिए।

— शिक्षा द्वारा नई अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के निर्माण के मूल उपागम को बदलती हुई अभिवृतियों के समान ही समझना चाहिए।

परामर्शता

राष्ट्रीय स्टाफ कालेज के उद्देश्यों में से एक उद्देश्य-शिक्षा संस्थाओं तथा राज्य सरकारों को परासर्शता सेवायें प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय स्टाफ कालेज शैक्षिक योजना और प्रशासन में व्यस्त अधिकारियों तथा संस्थाओं को शैक्षिक तथा व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रदान करता है। उदाहरण के लिए अपने कालेज के कार्यों की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय स्टाफ कालेज का निदेशक आइ आइ इ पी, पैरिस द्वारा संगठित मूल्यांकन पैनल (12 जून से 16 जून 1978 तक) का एक सदस्य था। इसी प्रकार राष्ट्रीय स्टाफ कालेज शैक्षिक प्रबन्धन के संवर्धन से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण निर्णयों में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, एन सी इ आर टी, आइ आइ पी ए तथा शिक्षा मंत्रालय से सक्रिय रूप से सम्बन्धित था। इस क्षेत्र में अन्य क्रिया-कलाप इस प्रकार हैं :

— महाविद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्टाफ कालेज ने महाविद्यालय के प्रधानाचार्यों के लिए प्रशिक्षण तथा अभिविन्यास कार्यक्रमों के सम्बन्ध में मध्यप्रदेश तथा तमिलनाडु सरकार को अपनी परामर्श सेवायें प्रदान कीं।

— राष्ट्रीय स्टाफ कालेज द्वारा दक्षिण क्षेत्र के तकनीकी अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान के प्रशासनिक और वरिष्ठ संकाय सदस्यों के लिए शैक्षिक प्रबन्ध पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के निर्माण के लिए तकनीकी अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान, मद्रास को परामर्श सेवायें प्रदान की गईं।

— राष्ट्रीय स्टाफ कालेज अनौपचारिक शिक्षा निदेशालय के मूल्यांकन के सलाहकार पैनल से भी सम्बन्धित था।

— महाविद्यालय शिक्षा निदेशालय, तमिलनाडु के अनुरोध पर राष्ट्रीय स्टाफ कालेज के महाविद्यालय ने प्राधानाचार्यों के लिए सात अभिविन्यास कार्यक्रम के आयोजन में सहायता प्रदान की।

— 'शिक्षा और मनोरंजन' विषय पर एक संगोष्ठी के योजन और आयोजन में पैसिफिक युवा विकास केन्द्र—कोमनवेल्थ, एशिया को परामर्शता सेवायें प्रदान की गईं।

— सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बंगलौर द्वारा "कर्नाटक में प्रारम्भिक शिक्षा की जनीनता" विषय पर आयोजित एक संगोष्ठी में राष्ट्रीय स्टाफ कालिज ने एक विशेष व्यक्ति को तैनात किया।

अनुसंधान और अध्ययन

शैक्षिक प्रशासन का अखिल भारतीय सर्वेक्षण

तीसरे शैक्षिक सर्वेक्षण के भाग के रूप में विभिन्न राज्यों और संघीय राज्यों में शैक्षिक प्रशासन से सम्बन्धित एक अखिल भारतीय सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया गया।

उद्देश्य

अपने ही प्रकार के इस प्रथम सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य विविध स्तरों, यथा—राष्ट्र, राज्य तथा जिला—पर शैक्षिक प्रशासन की वर्तमान व्यवस्था का पता लगाना तथा देश में शैक्षिक प्रशासन को सशक्त तथा आधुनिक बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान प्रदान करना था। इस सर्वेक्षण में विविध स्तरों पर शैक्षिक प्रशासन के लिए सरकारी तन्त्र की कार्य प्रणाली तथा वर्तमान व्यवस्था की व्याख्या तथा योजना और कार्यान्वयन के बीच की दूरी को कम करने के उद्देश्य से आंकड़ों के विश्लेषण का प्रयत्न किया गया। यह सर्वेक्षण अनिवार्यत: प्रत्येक राज्य / संघीय राज्य के सचिवालय, निदेशायय, क्षेत्रीय / विभागीय (जहां भी स्थित हो), जिला तथा ब्लाक स्तरों पर प्रशासनिक व्यवस्था का तथा योजना, संगठन, वित्त, निर्देशन, पर्यवेक्षण, निरीक्षण तथा मूल्यांकन आदि कार्यों का अध्ययन ही है।

राज्य सरकारों का निकट सहयोग

यह सर्वेक्षण प्रारंभ से ही राज्य सरकारों तथा संघीय राज्यों के प्रशासनों के निकट सहयोग तथा सक्रिय सहकार से नियोजित किया गया था। इसकी प्रारूप प्रश्नावली राज्यों और संघीय राज्यों में व्यापक रूप से प्रचारित की गयी थी तथा इन राज्यों की टिप्पणियों के आधार पर ही इस प्रश्नावली को अन्तिम रूप दिया गया था। इसी प्रकार राज्य / संघ राज्यों की प्रारूप रिपोर्ट को अन्तिम रूप दिए जाने से पूर्व जांच के लिए सम्बन्धित राज्य को भेजा गया था।

वर्ष 1978-79 की अवधि में आसाम, बिहार, केरल तथा नागालैंड की रिपोर्टों को प्रकाशित किया गया पहले से प्रकाशित रिपोर्ट इस प्रकार हैं :—

अंडमन निकोबार द्वीप समूह, आंध्र प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली, दिल्ली, गोआ, दमन और दीव, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र मिजोराम, उड़ीसा, पांडिचेरी, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बंगाल तथा भारतसरकार।

मणीपुर तथा मेघालय की रिपोर्ट जांच के लिए राज्य सरकारों को भेजी गई थीं। जम्मू और कश्मीर तथा पंजाब की रिपोर्ट मुद्रणाधीन हैं।

गुजरात, राजस्थाम तथा अखिल भारतीय रिपोर्टों का प्रारूप तैयार किया जा रहा है।

जिन राज्यों की रिपोर्टों को पहले से अन्तिम रूप दिया जा चुका है उनकी सूची इस प्रकार हैं :—

राज्य	संघ राज्य
1. आंध्र प्रदेश	1. अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह
2. आसाम	2. अरुणाचल प्रदेश
3. बिहार	3. चंडीगढ़
4. हरियाणा	4. दादरा और नगर हवेली
5. हिमाचल प्रदेश	5. दिल्ली
6. कर्नाटक	6. गोवा, दमन तथा दीव
7. केरल	7. लक्ष द्वीप
8. मध्य प्रदेश	8. मिजोराम
9. महाराष्ट्र	9. पांडिचेरी
10. नागालैंड	
11. उड़ीसा	
12. तमिलनाडु	
13. त्रिपुरा	
14. उत्तर प्रदेश	
15. पश्चिमी बंगाल	
16. भारत सरकार	

अन्तर्राष्ट्रीय समझ, सहयोग तथा शांति के लिए शिक्षा तथा मानवीय अधिकार तथा मूलभूत स्वतन्त्रता से संबंधित शिक्षा

राष्ट्रीय स्टाफ कालेज ने भारतीय राष्ट्रीय आयोग के अनुरोध पर पूर्व प्राथमिक स्तर से उच्च शिक्षा तक के शैक्षिक कार्यक्रमों के द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय समझ, सहयोग और शांति के प्रसार की वर्तमान स्थिति को सुनिश्चित करने के लिए एक अध्ययन प्रारंभ किया। यह परियोजना निर्धारित वर्ष की अवधि में ही पूरी हो गई। इस अध्ययन में यूनेस्को से सम्द्ध स्कूलों तथा भारतीय राष्ट्रीय आयोग के विस्तृत कार्यों की भूमिका की जांच की गई तथा विद्यालय और महाविद्यालय के विद्यार्थियों में अन्तर्राष्ट्रीय समझ को प्रोत्साहित करने के लिए पाठ्यक्रमों तथा अध्यापन तकनीकों का विश्लेषण किया गया। इस अध्ययन में अन्तर्राष्ट्रीय समझ के प्रसार की आवश्यकता तथा शिक्षा की संशोधित राष्ट्रीय नीति संकल्प में मानवीय अधिकारों तथा मूलभूत स्वतन्त्रता को शिक्षा के सामान्य लक्ष्य समझे जाने की गुण विवेचना तथा यूनेस्को—संबद्ध विद्यालय परियोजना को पुनः सशक्त बनाने से संबंधित कार्यों का सुझाव दिया गया था।

इस अध्ययन में शिक्षा की संहिता तथा नियम पुस्तिका और प्रशासन संबंधी कार्य एजेंसियों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई प्रश्नावली के प्रचार की व्यवस्था, जिसकी पूर्ति साक्षात्कार तथा कार्य व्यवस्था के निरीक्षण से की गई थी, से संबंधित विस्तृत अध्ययन सम्मिलित थे।

राष्ट्रीय स्टाफ कालेज में 9 नवम्बर से 10 नवम्बर, 1978 तक संबंधित राज्यों के इस अध्ययन से संबंधित परियोजना प्रभारी अधिकारियों की बैठक अपने-अपने राज्यों में किए गए कार्यों की प्रगति को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त इस अध्ययन की मासिक प्रगति रिपोर्ट तथा अंतरिम रिपोर्ट के प्रारूपों को भी अंतिम रूप दिया गया। इस विषय पर मतैक्य अभिव्यक्त किया गया कि इस अध्ययन के प्रारंभ होने के तीन माह पश्चात् राष्ट्रीय स्टाफ कालेज द्वारा आयोजित की जाने वाली बैठक में अंतिम रिपोर्ट पर चर्चा की जानी चाहिए और इस बैठक में भाग लेने वाले राज्यों के शिक्षा कमिश्नरों/सचिवों की आमंत्रित किया जाता चाहिए। अंतरिम रिपोर्ट पर संबंधित राज्य शिक्षा सचिवों द्वारा अपने योजना तथा वित्त बिभाग के सचिवों से चर्चा, करने के पश्चात् इस संबंध में किए जाने वाले कार्यों की सिफारिशों सहित अंतिम रिपोर्ट का प्रारूप तैयार किया जाना चाहिए। समय-समय पर इस अध्ययन की प्रगति की समीक्षा को सरल बनाने के लिए संबंधित राज्यों से यह अनुरोध किया गया कि वे अपनी मासिक रिपोर्ट राष्ट्रीय स्टाफ कालेज को भेजें।

सर्वजनीन कार्यक्रम के संबंध में प्रारंभिक शिक्षा के प्रशासन का अध्ययन

1978 से 1983 की योजना में प्रारंभिक शिक्षा की सर्वजनीनता के कार्यक्रम को उच्च प्राथमिकता प्रदान की गई। इस लक्ष्य की पूर्ण प्राप्ति के लिए सभी स्तरों पर वित्तीय, मानवीय तथा संगठनात्मक संसाधनों के जुटाव की आवश्यकता है।

आंध्रप्रदेश, आसाम, बिहार, जम्मू और कश्मीर, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, राजस्थान, उत्तरप्रदेश तथा पश्चिमी बंगाल शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े हुए इन नौ राज्यों में प्रारंभिक शिक्षा की सर्वजनीनता के कार्यक्रमों के संबंध में वर्तमान प्रशासकीय व्यवस्था में सुधार लाने तथा उसे सशक्त बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्टाफ कालेज ने प्रारंभिक शिक्षा के प्रशासन पर एक आनुभविक अध्ययन आरंभ किया।

इन नौ राज्यों के शिक्षा सचिवों तथा सार्वजनिक शिक्षा निदेशकों की 15 जुलाई, 1978 को नई दिल्ली में हुई बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार राष्ट्रीय स्टाफ कालेज ने संबंधित राज्यों द्वारा मनोनीत अधिकारियों की 28 से 29 जुलाई, 1978 तक दो दिन की कार्यगोष्ठी का आयोजन किया जिसमें निम्न विषयों पर निर्णय लिए गए—प्रारंभिक शिक्षा के प्रशासन के अध्ययन के संचालन की विधियां तथा 'प्रारंभिक शिक्षा की सर्वजनीनता' के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए चुने गए राज्यों में 6 से 14 वर्षके आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए प्रारंभिक शिक्षा की व्यवस्था में विस्मयकारी रूप से पिछड़े हुए कार्यों से जूझने के लिए साधनों और विधियों का विर्माण।

इस अध्ययन में प्रशासन के निम्न तीन पक्षों पर विचार किया गया—प्रशासन की संरचता, यथा—गठन, कार्मिकों की उपलब्धि तथा ग्राम, ब्लाक, क्षेत्रीय / विभागीय तथा राज्य स्तरों पर निर्णय लिए जाने की प्रक्रियाएं। बिहार, मध्यप्रदेश तथा उत्तर प्रदेश आदि राज्यों की छोड़कर जहां भी प्रतिदर्श का आकार अन्य राज्यों के प्रतिदर्श से दुगना है, प्रत्येक राज्य के दो-दो जिलों (चार ब्लाक) के सब प्रशासनिक कार्यकर्ता इस अध्ययन के लिए चुने गए। विद्यालय नामांकन अनुपात के संबंध में कुल जिलों को अवतरण क्रम में व्यवस्थित कर तीसरे और चौथे चतुर्थक में से एक-एक जिले को चुना गया।

भारत में यूनेस्को-क्लबों की कार्यव्यस्था का अध्ययन

यूनेस्को क्लब आंदोलन को सशक्त करने के लिए शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय ने भारत में वर्तमान यूनेस्को क्लबों की कार्य-व्यवस्था के अध्ययन का कार्य राष्ट्रीय स्टाफ कालेज को सौंपा है। यूनेस्को ने इस अध्ययन को आर्थिक सहायता देने में सहमति प्रकट की।

इस अध्ययन का उद्देश्य भारत में कार्य कर रहे यूनेस्को क्लबों के विविध क्रियाकलापों तथा संगठनात्मक पैटर्न की जांच करना तथा यह निर्धारित करना है कि इन क्लबों द्वारा यूनेस्को के उद्देश्यों की पूर्ति कहां तक हो सकी है। इसके अतिरिक्त इस अध्ययन में इन क्लबों की कठिनाइयों तथा समस्याओं का विश्लेषण करना तथा उस रूपरेखा को निर्धारित करना सम्मिलित है जिसके आधार पर क्लबों के कार्यक्रमों और क्रियाकलापों को संगठित कर भारत में यूनेस्को-क्लबों के उद्देश्यों तथा आदर्शों को अधिक प्रवीणता से पूरा किया जा सके।

इस उद्देश्य के लिए भारत में यूनेस्को क्लबों से संबंद्ध आंकड़े एकत्रित करने के लिए एक प्रश्नावली तैयार की गई। इसके अतिरिक्त वीक्षणों तथा साक्षात्कारों के लिए निम्न पांच क्षेत्रों में से 37 क्लब चुने गए- उत्तरी, मध्य, पूर्वी, पश्चिमी तथा दक्षिणी क्षेत्र। इस अध्ययन के जुलाई 1979 में समाप्त हो जाने की संभावना है।

ग्राम्य विकास के लिए शिक्षा

ग्राम्य विकास के लिए शिक्षा पर दिसम्बर 1976 में राष्ट्रीय स्टाफ कालेज द्वारा एक राष्ट्रीय संगोष्ठी / सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें सिफ़ारिस की गई कि एक स्थाई समिति बनाई जाए जिसमें भारत सरकार तथा राज्यों के संबंधित विभागों और स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि हों। इस समिति का कार्य सम्मेलन द्वारा की गई सिफारिशों का निष्पादन, उसकी प्रगति की समीक्षा और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए उचित सुझाव देना होगा। एन एससी ई पी ए के निदेशक की अध्यक्षता में एक 21 सदस्यों वाली समिति गठित की गई।

ग्राम्य विकास के लिए शिक्षा पर स्थाई समिति की प्रथम बैठक 1-5-78 को हुई। विकास विभागों स्वैच्छिक संगठनों, राज्य सरकारों तथा स्टाफ कालेज के 17 भाग लेने वालों ने इस बैठक में भाग लिया।

बैठक में चर्चा के दौरान जो महत्त्वपूर्ण बातें सामने आईं वे निम्नलिखित थीं—

1. यह दिखाने के लिए कि ग्राम्य विकास में लोगों को लगा कर शिक्षा कैसे दी जा सकती है, कुछ परियोजनाएं उन स्वैच्छिक संगठनों द्वारा हाथ में ली जानी चाहिए जो सरकारी अभिकरणों द्वारा घोषित गांवों से घनिष्ठरूप से संबंधित हों। ये परियोजनाएं खंडों के अनुरूप होनी चाहिए, विशेषकर सरकार के महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम-खंड स्तर योजना के संदर्भ में।
2. चूंकि खंड स्तर योजना के लिए अंतर्विभागीय समेकन अति आवश्यक है, इसलिए संयुक्त अंतर्विभागीय दलों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रमों की व्यवस्था की जानी चाहिए।
3. राष्ट्रीय सम्मेलन द्वारा की गई सिफ़ारिशों की समिति द्वारा पुनः जांच की जानी चाहिए और जनता सरकार द्वारा ग्राम्य विकास को अधिकतम प्राथमिकता देने के लिए संक्रियात्मक योजना बनानी चाहिए।
4. राष्ट्रीय स्टाफ कालेज में स्थित स्थाई समिति के सचिवालय को, ग्राम्य विकास से संबंध रखने वाले सभी व्यक्तियों के लिए संकल्पनात्मक स्पष्टीकरण पर प्रमुख बल देते हुए अधिकाधिक प्रभाव प्राप्त करना चाहिए।
5. नवीन प्रक्रियात्मक विचारों के लिए समिति को स्वैच्छिक संगटनों की पहचान करनी चाहिए और उनकी असलियत को प्रमाणित करना चाहिए। इसके बाद उन्हें परियोजना पर कार्य करने की पूर्ण स्वतंत्रता दी जानी चाहिए।
6. ग्रामों में शिक्षा के लिए निर्धारित अप्रयुक्त संसाधनों को ग्राम्य विकास में लगा देना चाहिए और इन्हें खोजकर उपयोग में लाना चाहिए।
7. मुख्य स्वास्थ्य केन्द्रों को मैडिकल कालेजों से संबंधित कर देना चाहिए, जिससे कि अपने शिक्षा

काल में भी भावी डॉक्टर ग्राम्य समस्याओं मे रुचि लेने लगें।

8. समुदायों को चाहिए कि वे शैक्षिक संस्थाओं के अभिभावकों के रूप में कार्य करें और उनमें पूर्ण रुचि लें तथा सरकार को चाहिए कि वह समुदायों को अपनी भूमिका प्रभावशाली रूप से निभाने में सहायता करे
9. अभी तक अनौपचारिक शिक्षा के परिणाम नगण्य हैं—उन राज्य सरकारों को कुछ परियोजनाएं हाथ में ले लेनी चाहिए जहां साक्षरता, जागरूकता और कार्यात्मकता के साथ प्रौढ़शिक्षा के विचार को कार्यान्वित किया जा सकता है, और प्रौढ़ शिक्षा को व्यक्तियों की आर्थिक स्थिति सुधारने का साधन बनाया गया हो।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

एन एस सी ई पी ए का मुख्य लक्ष्य अन्य अभिकरणों, संस्थाओं तथा संगठनों जिनमें विश्वविद्यालय, प्रबंध तथा प्रशासन संस्थान और भारत तथा विदेश की अन्य संबंद्ध संस्थाएं भी सम्मिलित हैं, के साथ जैसी भी आवश्यकता हो सहयोग करना है। एन एस सी ई पी ए शैक्षिक नवीन प्रक्रिया तथा विकास का एशियाई कार्यक्रम (ए पी ई आई डी), बैंकाक तथा नेशनल फोकल पौइन्ट और इन्टरनेशनल ब्यूरो आफ एजुकेशन (आइ बी ई), जिनेवा का सह-सदस्य भी है।

रिपोर्टाधीन वर्ष में एन एस सी ई पी ए के महत्त्वपूर्ण कार्य थे—शैक्षिक योजना तथा प्रशासन में विचारों और अनुभवों के आदान-प्रदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों के साथ सहयोग। शैक्षिक योजना का अंतर्राष्ट्रीय संस्थान; पेरिस, एशिया तथा ओशीनिया के लिए शिक्षा का यूनेस्को प्रादेशिक कार्यालय, बैंकाक राष्ट्रीय स्टाफ कालेज के सहयोग के लिए मुख्य अंतर्राष्ट्रीय अभिकरण थे। संयुक्त कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एन एस सी ई पी ए ने यूनेस्को अधिकारियों के साथ चर्चा की। निम्नलिखित क्षेत्रों में नेशनल स्टाफ कालेज ने अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों के साथ सहयोग किया:—

—प्रशिक्षण कार्यक्रम
—शैक्षिक योजना तथा प्रशासन में पत्राचार पाठ्यक्रम
—अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सहभागिता
—संगोष्ठियां

प्रशिक्षण कार्यक्रम

पाठशाला नामांकन दिखाने की विधियों पर 26 व्यक्तियों के लिए एन एस सी ई पी ए द्वारा एक राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारतीय इतिहास और संस्कृति पर संयुक्त राज्य अमरीका के सामाजिक विज्ञान के पाठ्यचर्या निदेशकों तथा 18 पर्यवेक्षकों के लिए एक कर्मशाला का आयोजन किया गया। अफगानिस्तान के 30 प्रारंभिक पाठशाला अध्यापक, जो राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे, अप्रेल 1978 में एन एस सी ई पी ए आए। इन्डोनेशिया मे आए यूनेस्को के एक सदस्य के लिए एक अध्ययन-व-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पत्राचार पाठ्यक्रम

यूनेस्को प्रादेशिक कार्यालय, बैंकाक के सहयोग से वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक योजना व प्रबन्ध का प्रथम पत्राचार पाठ्क्रम आयोजित किया गया। इस पाठ्क्रयम के लिए वितीय सहायता यूनेस्को द्वारा प्रदाम की गई। नवम्बर, 1978 में आयोजित किए गए पत्राचार के अन्तर्राष्ट्रीय परिषद के ग्यारहवें विश्व सम्मेलन में एन एस सी ई पी ए के निदेशक ने भाग लिया।

अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सहभागिता

कनाडा में शैक्षिक प्रशासन के चौथे अंतर्राष्ट्रीय परस्पर भेंट कार्यक्रम में निदेशक और संकाय के एक और सस्दय ने भाग लिया। कोलम्बो में एशिया के लिए कौमनवेल्थ प्रादेशिक सेवा-रत अध्यापक शिक्षा कर्मशाला में एक अन्य संकाय सदस्य ने भाग लिया। सितम्बर 15-16, 1978 को लन्दन में ब्रितानवी शैक्षिक प्रशासन समिति के ? वें वार्षिक सम्मेलन में निदेशक ने भाग लिया। बैंकाक में यूनेस्को प्रादेशिक कार्यालय द्वारा आयोजित शैक्षिक योजना तथा प्रबंध कार्यक्रम, विकास कर्मशाला के कुछ अधिवेशनों की निदेकश महोदय ने अध्यक्षता की (नवम्बर 27, से दिसम्बर 5, 1978)।

सम्मेलन

19 जुलाई, 1978 को आई आई ई पी पेरिस के निदेशक प्रोफेसर एम० डिबोवैस ने 'दीर्घ-कालीन संदर्श में शिक्षा तथा रोज़गार के बीच बदलते सम्बन्धों, पर भाषण दिया। 28 अगस्त 1978 को शैक्षिक योजना के अंतर्राष्ट्रीय संस्थान के एक वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ० जैक्स हलक ने 'शिक्षा-कार्य और रोज़गार जगत, पर सम्मेलन में भाषण दिया।

पुस्तकालय तथा प्रलेखन सेवाएं

नेशनल स्टाफ़ कालेज ने शैक्षिक योजना तथा प्रशासन और इससे सम्बन्धित क्षेत्रों में एक अच्छे संग्रह वाला पुस्तकालय बनाया हुआ है। इस संग्रहालय में यू एन ओ; यूनेस्को, ओ ई सी डी, आई एल ओ, यूनिसेफ आदि अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों द्वारा शैक्षिक योजना तथा प्रशासन, शैक्षिक नवाचार, शिक्षा-समाज शास्त्र जैसे विषयों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों के 19,000 प्रलेखों और रिपोर्टों का वृहत संग्रह है।

इस पुस्तकालय में शैक्षिक योजना, प्रशासन, प्रबन्ध, विकास तथा अन्य सम्बन्धित क्षेत्रों से संबंधित 150 सामयिक पत्र-पत्रिकाएं आती हैं। इन पत्रिकाओं में छपे सभी महत्त्वपूर्ण लेखों की यहां सूची विद्यमान है।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने वाले सदस्यों को इस पुस्तकालय का प्रचुर प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अल्प अवधि वाले अभिविन्यास पाठ्क्रमों में भी एक सत्र पुस्तकालय कार्य के लिए सुरक्षित रखा जाता है जिसमें भाग लेने वाले व्यक्ति शैक्षिक योजना, प्रशासन तथा प्रबन्ध के क्षेत्रों में लिखे गए साहित्य को पढ़ें। नेशनल स्टाफ कालेज द्वारा आयोजित प्रत्येक संगोष्ठी के लिए पुस्तकालय चुनी हुई पुस्तकों की ग्रंथ सूची तैयार करता हैं।

पुस्तकालय में आने वाली नई पुस्तकों की प्रत्येक मास सूची बनाई जाती है तथा शैक्षिक योजना तथा प्रशासन आदि विषयों के सम्बन्ध में समाचार पत्रों में छपे समाचारों की कतरने (क्लिपिंग्स) भी रखी जाती हैं।

समीक्षाधीन अवधि में, पुस्तकालय में लगभग 2000 पुस्तकों तथा प्रलेखों की वृद्धि हुई।

प्रकाशन

स्टाफ कालेज प्रत्येक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम, संगोष्ठी तथा सम्मेलन की रिपोर्ट प्रकाशित करता है। समीक्षाधीन अवधि में निम्नलिखित रिपोर्टें प्रकाशित की गईं।

1. शैक्षिक प्रशासन पर तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण की रिपोर्ट :
   —असम
   —बिहार
   —केरल
   —नागालैंड
2. ई पी ए बुलेटिन-तिमाही, खंड-I-1-4, अप्रैल, जुलाई, अक्तूबर, 1978 तथा जनवरी, 1979,
3. राज्य शिक्षा योजना अधिकारियों (अप्रैल 6-15, 1978) के लिए चौथे प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट।
4. कर्मशाला तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (अप्रैल 17-29, 19778) की रिपोर्ट।
5. नैशनल स्टाफ़ कालेज पुस्तकालय (12) द्वारा तैयार की गई पुस्तकों, लेखों तथा प्रलेखों की मासिक सूची।
6. राज्य शिक्षा विभागों के सांख्यिकीय सहायकों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की रिपोर्टें (मई 23-29, 1978) +
7. केन्द्रीय विद्यालयों के मुख्याध्यापकों के लिए संस्थागत योजना पर कर्मशाला की रिपोर्ट (मई 30 से जून 12, 1978) +
8. संयुक्त राज्य अमरीका के समाज विज्ञान के पाठ्यचर्या निदेशकों तथा पर्यवेक्षकों के लिए भारतीय इतिहास तथा संस्कृति पर आयोजित कर्मशाला की रिपोर्ट (जून 19 से जुलाई 12, 1978) +
9. दिल्ली प्रशासन के शिक्षा अधिकारियों के लिए आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम की रिपोर्ट (जुलाई 13-18, 1978) +
10 उच्च शिक्षा के प्रशासन के कुछ पक्षों पर आयोजित संगोष्ठी की रिपोर्ट (अगस्त 3-5, 1978)
11. पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए शैक्षिक योजना तथा प्रबन्ध पर प्रथम संपर्क कार्यक्रम (अगस्त 17-23 तथा आगस्त 28 - सितम्बर 2, 1878) +
12. यू० के० जाने वाले प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिर्पोट (सितम्बर 11-13, 1978) +

13. दक्षिणी क्षेत्र के प्रशासकों तथा वरिष्ठ संकाय सदस्यों के पालीटैक्नीकों के लिए प्रबन्धोन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट (अक्तूबर 2-7, 1978) +
14. तमिलनाडु के कालेज प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षिक योजना तथा प्रशासन पर आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम की रिपोर्ट (अक्टूबर 16 से नवम्बर 29, 1978) +
15. दिल्ली प्रशासन के शिक्षा अधिकारियों के लिए द्वितीय अभिविन्यास कार्यक्रम की रिपोर्ट (अक्टूबर 23 - 27, 1978) +
16. पाठशाला नामांकन दिखाने की विधियों पर यूनेस्को द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण संगोष्ठी की रिपोर्ट (नवम्बर 20 से दिसम्बर 1, 1978)। +
17. जम्मू तथा कश्मीर से जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम की रिपोर्ट (दिसम्बर 4-16, 1978)। +
18. गुजरात और मध्यप्रदेश के कालेज मुख्याध्यपकों के लिए शैक्षिक योजना तथा प्रशासन पर आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम की रिपोर्ट (दिसम्बर 26, 1978 से जनवरी 6, 1979)। +
19. आई आई ई पी, पेरिस तथा शिक्षा के लिए यूनेस्को प्रादेशिक कार्यालय, बैंकाक के सहयोग से नवीन अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति शिक्षा के योगदान पर संगोष्ठी की रिपोर्ट (जनवरी 22 से 27, 1979)।
20. पुस्तकालय कार्यक्रम की सांख्यिकी पर प्रशिक्षण संगोष्ठी की रिपोर्ट (फरवरी 6 से 10, 1979)
21. संयुक्त राज्य अमरीका जाने वाले कालेज प्रधानाचार्यों के लिए आयोजित उपक्रमात्मक कार्यक्रम (फरवरी 13 से 15, 1979)।
22. हरियाणा के शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक पर्यवेक्षण विषय पर आयोजित संगोष्ठी की रिपोर्ट (फरवरी 19 से 26, 1979)।
23. शैक्षिक योजना तथा प्रबन्ध पर पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए द्वितीय संपर्क कार्यक्रम (फरवरी 27 से मार्च 3, 1979)।
24. विद्यालयी शिक्षा निदेशालय, तमिलनाडु के वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों के लिए आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम की रिपोर्ट (मार्च 5-10, 1979)।
25. यू एस ई एफ आई की प्रशासक परियोजना, 1979 के अन्तर्गत संयुक्त राज्य अमरीका जाने वाले कालेज प्रधानाचार्यों के चुने हुए समूह के लिए आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम की रिपोर्ट (मार्च 20-22, 1979)।
26. भारत में शिक्षा के स्थानीय समर्थन की व्यवस्था। एक केस स्टडी (1978)।
27. अंतर्राष्ट्रीय सद्भावना के लिए शिक्षा: भारतीय अनुभव (यूनेस्कों द्वारा प्रायोजित परियोजना (1978)।

अनुलिपित्रित

III

परिशिष्ट

परिशिष्ट-I

पुनर्गठित नैशनल स्टाफ कालेज परिषद के सदस्यों की सूची (31-3-79) तक की स्थिति

1. डा० प्रताप चन्द्र चन्दर —अध्यक्ष
   केन्द्रीय शिक्षा समाज कल्याण
   तथा संस्कृति मन्त्री,
   नई दिल्ली

2. प्रोफेसर सतीश चन्द्र —सदस्य
   अध्यक्ष,
   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,
   नई दिल्ली

3. श्री कैलाशनाथ सिंह —सदस्य
   शिक्षा मन्त्री
   उत्तर प्रदेश

4. श्री नवल भाई एन शाह —सदस्य
   शिक्षा मन्त्री,
   गुजरात

5. श्री सी० एच० मोहम्मद कोया —सदस्य
   शिक्षा मन्त्री,
   त्रिवेन्द्रम, केरल

6. श्री ठाकुर प्रसाद सिंह, —सदस्य
   शिक्षा मन्त्री,
   पटना, बिहार

7. श्री हीरानन्द —सदस्य
शिक्षा मन्त्री
हरियाणा, चन्डीगढ़

8. श्री पी० सबानायगम —सदस्य
सचिव
शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय
नई दिल्ली

9. सचिव, भारत सरकार —सदस्य
वित्त मन्त्रालय, नई दिल्ली
(अथवा उनके प्रतिनिधि)

10. सचिव, भारत सरकार —सदस्य
गृह मंत्रालय
नई दिल्ली
(अथवा उनके प्रतिनिधि)

11. सचिव, योजना आयोग —सदस्य
नई दिल्ली
(अथवा उनके प्रतिनिधि)

12. डा० एस० के० मित्रा —सदस्य
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा
प्रशिक्षण परिषद,
नई दिल्ली

13. श्री रवीन्द्र शर्मा —सदस्य
निदेशक लोक शिक्षण,
मध्य प्रदेश, भोपाल

14. श्री डी० एम० सुखथानकर —सदस्य
शिक्षा सचिव,
महाराष्ट्र

15. श्री ई० सी० पी० प्रभाकर —सदस्य
आयुक्त तथा सचिव
शिक्षा विभाग
तमिलनाडू सरकार, मद्रास

16. श्री पी० सी० बनर्जी —सदस्य
अयुक्त तथा सचिव
शिक्षा विभाग
पश्चिम बंगाल, कलकत्ता

17. श्री एच० के निझावन —सदस्य
निदेशक, लोक शिक्षण
पंजाब, चंडीगढ़

18. डॉ० एम० एस० आदिसेशिया —सदस्य
अध्यक्ष
विकास अध्ययन, मद्रास संस्थान
79, सैकन्ड मेन रोड,
गांधी नगर
मद्रास-600020

19. डॉ० आबद अहमद —सदस्य
प्रोफेसर
प्रबंध अध्ययन संकाय
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली

20. प्रोफेसर एम० वी० माथुर —सदस्य सचिव
निदेशक
नैशनल स्टाफ कालेज
नई दिल्ली

कार्यकारी समिति के सदस्यों की सूची

(31-3-79 तक की स्थिति)

1. डॉ० पी० सी० चन्दर —अध्यक्ष
   केन्द्रीय शिक्षा समाज कल्याण
   तथा संस्कृति मंत्री
   नई दिल्ली

2. श्री हीरानन्द —सदस्य
   शिक्षा मंत्री
   हरियाणा सरकार
   चन्डीगढ़

3. श्री पी० सबानायगम —सदस्य
   सचिव
   शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय
   नई दिल्ली

4. प्रोफेसर सतीश चन्द्र —सदस्य
   अध्यक्ष
   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,
   नई दिल्ली

5. डॉ० एम० एस० आदिसेशिया —सदस्य
   अध्यक्ष
   विकास अध्ययन, मद्रास संस्थान,
   79, सैकन्ड मेन रोड,
   गांधीनगर, मद्रास 600020

6. श्री डी० एम सुखथानकर
शिक्षा सचिव,
महाराष्ट्र सरकार
बम्बई

7. सचिव, भारत सरकार —सदस्य
वित्त मंत्रालय
नई दिल्ली
(अथवा उनके प्रतिनिधि)

8. प्रोफेसर एम० वी० माथुर —सदस्य सचिव

निदेशक
नेशनल स्टाफ कॉलेज
नई दिल्ली

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना तथा प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली
1-4-1978 से 31-3-1979 तक का प्राप्ति और भुगतान लेखा

प्राप्तियां			भुगतान		
रोकड़ जमा	रुपये	रुपये	**स्थापना खर्च (योजनेतर)**	रुपये	रुपये
सरकारी अनुदान से	2,60,288.25		कर्मचारियों का वेतन तथा		
पेशगी	500.00		भत्ते	2,88,181.20	
यूनेस्को कूपनों द्वारा	311.95		छुट्टीका वेतन तथा		
यूनेस्को अनुदान से	4,854.36		पेन्शन अंशदान	8,167.25	
धन वापसी के लिए अतिरिक्त			कर्मचारियों को चिकित्सा		
मंहगाई भत्ते (डी० ए०) की अनिवार्य			प्रतिपूर्ति	15,150.00	
जमा योजना (सी० डी० एस०) से	804.03		कर्मचरियों को अवकाश		
	2,66,758.59		यात्रा रियायत	5,611.20	
किन्हीं परियोजनाओं पर			कर्मचारियों को समयोपरि		
अधिक व्यय (—)	22,953.13	2,43805.46	भत्ता	22,184.90	
			पेन्शन तथा उपदान	1,950.00	
भारत सरकार से सहायता अनुदान			भविष्य निधि अंशदान ।		
			सामान्य भविष्य निधि ।		
योजनेतर	3,38,000.00		अंशदायी भविष्य निधि	18,066.85	3,59,311.40
योजना	14,28,900.19	17,66,900.19			

कार्यालय प्राप्तियां

होस्टल किराया	28,760.50	
प्राप्ति (विविध) बचत बैंक		
पर सूद 13,335.09		
अन्य 7,811.24	21,146.33	
केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य		
सेवा अंशदान	280.50	
अन्य आकस्मिक व्यय		
(पी० आर्डर)	1,662.00	
लेखन सामग्री (रद्दी की बिक्री)	1,157.45	53,006.78
पुस्तकों के लिए खरीदे गए यूनेस्को		
कूपन		8,100.00

वसूली-योग्य पेशगी

उत्सव	4,540.00	
वाहन	2,845.00	
वाहन पर सूद	193.10	
पंखा । बाढ़	1,780.00	9,358.10

योजना

कार्यक्रम (प्रत्यक्ष व्यय)		1,39,450.27
प्रारंभिक शिक्षा के प्रशासन		
का अध्ययन		2,947.65

स्थापना खर्च

कर्मचारियों का वेतन तथा भत्ते	4,72,803.70	
चिकित्सा प्रतिपूर्ति	12,393.26	
यात्रा भत्ता रियायत	3,645.55	
कर्मचारियों को समयोपरि भत्ता	23,815.85	
नियोक्ता अंशदान । भविष्य		
निधि पर सूद	17,124.80	
यात्रा भत्ता । दैनिक भत्ता	2,502.55	
छुट्टी का वेतन तथा पेन्शन		
अंशदान	11,396.05	
केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा अंशदान	1,216.00	5,44,897.76

कार्यालय व्यय

प्रकाशन	24,667.36	

नियत कार्यक्रम

भारत में यूनेस्को क्लब के कार्य का अध्ययन	11,850.00	पुस्तकालय में पुस्तक खरीद	61,768·12
अंतर्राष्ट्रीय सद्भावना के लिए शिक्षा पर परियोजना	20,000.00	पुस्तकालय में पत्रिकाएं और समाचार पत्र की खरीद	19,374.04
शिक्षा को स्थानीय समर्थन का प्रबंध	6,843.45	पुस्तक के लिए पुस्तकालय में यूनेस्को कूपन की खरीद	8,100.00
सुदूर अध्यापन तकनीकों के माध्यम से शैक्षिक योजनाकारों और प्रशासनकों का प्रशिक्षण	11,259.16	पुस्तकालय में कूपनों से पुस्तक खरीद	1,102.77+
स्कूल नामांकन दिखाने की विधियों पर यूनेस्को द्वारा प्रायोजित		मनोरंजन व्यय	1,130.50
राष्ट्रीय प्रशिक्षण संगोष्ठी	47,800.00	बिजली व पानी खर्च	10,172.00
ए० पी० ई० आई० डी० के प्रकाशन का यूनेस्को-अनुवाद	4,194.96	फरनीचर तथा सज्जा सामान	64,972.93
अतिरिक्त मंहगाई भत्ते की प्राप्ति	12,392.58	फरनीचर मरम्मत	1,520.49
		ग्रीष्म और शीत ऋतु व्यय	10,199.50
		बीमा	835.00
		वर्दियां	11,760.82
		भवनों का रख-रखाव	798.00
		कार्यालय उपस्कर तथा विद्युत् उपस्कर	11,600.36

प्रेषित धन

आय कर	29,634.00	अन्य आकस्मिक व्यय	40,778.91
जी० पी० एफ० । सी० पी० एफ०	1,12,606.00	डाक तथा तार	19,748.95
अन्य अनुभावों द्वारा वेतन तथा		दर तथा कर	58,537.25
भत्तों का अधिक भुगतान	82.50	कार्यालय मशीनों की मरम्मत	6,583.97
निवास किराया	677.85	स्टाफ कार रख-रखाव	25,958.76

गृह निर्माण पेशगी	23,215.00	स्टाफ कार पैट्रोल तथा		
केन्द्रीय सरकार कर्मचारी बीमा		तेल खर्च	33,759.07	
योजना	273.00	लेखन सामग्री	1,06,666.05	
वेतन नामावली बचत योजना	4,040.00	टेलीफोन खर्च	65,891.15	5,84,823.23
				1,102.77+
		राज्य सरकारों । संस्थानों		
		को सहायता अनुदान		1,49,354.00
		स्टाफ कार		43,697.55
		सी० पी० डब्ल्यू० डी० में जमा		38,353.00
		वापसी योग्य पेशगी		
		उत्सव	8,240.00	
		वाहन	1,125.00	
		पंखा । बाढ़ ।	18,000.00	27,365.00
		नियत कार्यक्रम		
		भारत में यूनेस्को क्लब के कार्य का अध्ययन,		2,284.65
		अंतर्राष्ट्रीय सद्भावना के लिए शिक्षा पर परियोजना		3,213.70
		शिक्षा को स्थानीय समर्थन का प्रबंध सुदूर		105.00
		अध्यापन तकनीकों के माध्यम से शैक्षिक योजनाकारों और प्रशासनकों का प्रशिक्षण		16,113.52

स्कूल नामांकन प्रक्षेपण की विधियों पर यूनेस्को द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण संगोष्ठी	28,953.84
अतिरिक्त मंहगाई भत्तों की अदायगी	13,196.61
प्रेषित धन	
आयकर	29,634.00
जी० पी० एफ० । सी० पी० एफ०	1,12,606.00
अन्य विभागों द्वारा वेतन तथा भत्तों का अधिक भुगतान	82.50
निवास किराया	677.85
गृह निर्माण पेशगी	23,215.00
केन्द्रीय सरकार बीमा योजना	273.00
वेतन नामावली बचत योजना	4,040.00
रोकड़ बाकी	2,40,340.73
कुल रुपये 23,66,039.03	कुल रुपये 23,66,039.03

प्रमाणित किया जाता है कि भारत सरकार द्वारा दिया गया सहायता अनुदान स्वीकृत किए गए प्रयोजन के लिए ही प्रयुक्त किया गया है तथा उससे संलग्न शर्तें भी पूरी की गई हैं।

हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर
(एस० सुन्दरराजन)	(वेद प्रकाश)	(एम० वी० माथुर)
लेखा अधिकारी	कार्यकारी निदेशक	निदेशक

शैक्षिक योजना तथा प्रशासन का राष्ट्रीय संस्थान, नई दिल्ली 31-3-79 को रोकड़ बाकी का विवरण

क्रम संख्या		कुल प्राप्ति	कुल भुगतान	बाकी
1. योजनेतर				
2. योजना		3,38,000.00	3,59,311.40 (—)	21,311.40
(क) अनुदानों से निकल पिछला बाकी	2,37,835.12			
(ख) सरकार द्वारा दिया गया सहायता अनुदान	14,28,900.19	16,66,735.31	15,30,888.46	1,35,846.85
(ग) यूनेस्को कूपनों से पिछला बाकी	311.95			
(घ) वर्ष के दौरान यूनेस्को कूपनों की खरीद	8,100.00	8,411.95	1,102.77	7,309.18
(ङ) कार्यालय प्राप्ति		62,364.88	—	62,364.88
(च) यूनेस्को कार्यक्रमों पर सरकारी अनुदानों से किया गया खर्च परन्तु 1978-79 में वापसी		21,954.85	—	21,954.85
3. नियत कार्यक्रम				
(क) भारत में यूनेस्को क्लब के कार्य का अध्ययन		11,850.00	2,284.65	9,565.35
(ख) अंतर्राष्ट्रीय सद्भावना के लिए शिक्षा पर परियोजना प्राप्त अनुदान	20,000.00			
(1977-78) में हुए अधिक खर्च को काटकर	19,766.30	233.70	3,213.70	(—) 2,980.00

(ग)	शिक्षा को स्थानीय समर्थन का प्रबन्ध				
	प्राप्त अनुदान	6,843.45			
	(1977-78) में हुए अधिक खर्च को काटकर	2,188.55	4,654.90	105.00	4,549.90
(घ)	स्कूल नामांकन प्रक्षेपण के लिए विधियों पर प्रशिक्षण संगोष्ठी		47,800.00	2,953.84	18,846.16
(ङ)	ए० पी० ई० आई० डी० प्रकाशन का अनुवाद		4,194.96	—	4,194.96
				कुल रोकड़ बाकी	रुपये 2,64,632.13
				क्रम सं० 2 व 3 (ख) पर अधिक भुगतान	24,291.40
				शुद्ध रोकड़ बाकी	रुपये 2,40,340.73

हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर
(एस० सुन्दरराजन)	वेद प्रकाश	एम० वी० माथुर
लेखा अधिकारी	कार्यकारी निदेशक	निदेशक

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना तथा प्रशासन संस्थान (एन० आई० ई० पी० ए०)

वर्ष 1978-79 के लिए निम्नलिखित कार्यों के लिए
यूनेस्को से प्राप्त अनुदान का प्रोफार्मा लेखा

प्राप्तियां	रु०		रु०	आदायगी	रु०	रु०
रोकड़ जमा				1. भारत में यूनेस्को क्लाब के कार्य का अध्ययन		2,284.65
(क) अंतर्राष्ट्रीय सद्भावनाओं के लिए शिक्षा पर परियोजना	(—) 19,766.30			2. अंतर्राष्ट्रीय सद्भावना के लिए शिक्षा पर परियोजना		3,213.70
(ख) शिक्षा को स्थानीय समर्थन का प्रबन्ध (अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम)	(—) 2,188.55			3. शिक्षा को स्थानीय समर्थन का प्रबंध (अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम)		105.00
(ग) सुदूर अध्यापन तकनीकों के माध्यम से शैक्षिक योजना तथा प्रशासन का प्रशिक्षण	4,854.36	(—)	17,100.49	4. सुदूर अध्यापन तकनीकों के माध्यम से शैक्षिक योजनाओं तथा प्रशासनकों को प्रशिक्षण		16,113.52
1. भारत में यूनेस्को क्लब के कार्य का अध्ययन			11,850.00	5. स्कूल नामांकन प्रक्षेपण के लिए विधियों पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण संगोष्ठी		28,953.84

2. अंतर्राष्ट्रीय सद्भावनाओं के लिए शिक्षा पर परियोजना	20,000.00	**रोकड़ बाकी** अंतर्राष्ट्रीय सद्भावना के लिए शिक्षा पर परियोजना	(—) 2,980.00		
3. शिक्षा को स्थानीय समर्थन का प्रबंध (अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम)	6,843.45	शिक्षा को स्थानीय समर्थन का प्रबंध	4,549.90		
4. सुदूर अध्यापन तकनीकों के माध्यम से शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासनकों का प्रशिक्षण	11,259.16	भारत में यूनेस्को क्लब के कार्य का अध्ययन	9,565.35		
5. स्कूल नामांकन प्रक्षेपण की विधियों पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण संगोष्ठी	47,800.00	स्कूल नामांकन प्रक्षेपण की विधियों पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण संगोष्ठी	18,846.16		
6. ए० पी० ई० आई० डी० प्रकाशन का अनुवाद	4,194.96	ए०पी०ई०आई०डी० का अनुवाद	4,194.96		34,176.37
कुल रुपये	84,847.08			कुल रुपये	84,847.08

प्रमाणित किया जाता है कि यूनेस्को द्वारा दिया गया अनुदान स्वीकृत किए गए प्रयोजना के लिए उपयुक्त हुआ है।

हस्ताक्षर

एस० सुन्दरराजन

लेखा अधिकारी

हस्ताक्षर

वेद प्रकाश

निदेशक

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना तथा प्रशासन संस्थान वर्ष 1979, 31 मार्च तक का आय तथा व्यय लेखा

व्यय		राशि	आय		राशि
प्रतिष्ठान तथा अधिकारियों			सरकार से सहायता अनुदान		
के वेतन तथा भत्ते			योजनेतर	3,38,000.00	
योजनेतर	2,88,181.20		योजना	14,28,900.19	
योजना	4,72,803.70	7,60,984.90	शिक्षा मंत्रालय		
भत्ते तथा मानदेय			का (डी० ई० ओ०		
चिकित्सा प्रतिपूर्ति			का विलयित		
व्यय (योजनेतर)	15,150.00		अनुदान)	38,147.09	18,05,047.28
व्यय (योजना)	12,393.26		निवेशित अनुदान		
समयोपरि भत्ता (योजनेतर)	22,184.90		काटकर पुस्तकालय		
समयोपरि भत्ता (योजना)	23,815.85		की पुस्तकें	62,870.89	
यात्रा भत्ता रियायत (योजनेतर)	5,611.20		फरनीचर तथा		
यात्रा भत्ता रियायत (योजना)	3,645.55		उपस्कर	64,972.93	
केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य सेवा अंशदान	1,216.00		कार्यालय तथा बिजली		
छुट्टी का वेतन तथा पेन्शन			उपस्कर	11,600.36	1,39,444.18 16,65,603.10
अंशदान (योजनेतर)	8,167.25		होस्टल किराया		28,760.50

व्यय		राशि	आय		राशि
छुट्टी का वेतन तथा पेन्शन			निम्नलिखित पर प्राप्त सूद		—
अंशदान (योजना)	11,396.05	1,03,580.06	(i) निवेश		—
यात्रा भत्ता		2,502.55	(ii) ब्याजी पेशगी		193.10
पेन्शन तथा उपदा		1,950.00	विविध प्राप्तियां		
भविष्य निधि अंशदान			अन्य प्राप्तियां	7,811.24	
(नियोक्ता अंशदान) (योजनेतर)	18,066.85		अन्य आकस्मिक खर्च		
(,, ,,) (योजना)	17,124.80	35,191-65	(पोस्टल आर्डर)	1,662.00	
अन्य खर्च			रद्दी कागज की बिक्री	1,157.45	10,630.69
पानी तथा बिजली खर्च	10,172.00		केंद्रीय स्वास्थ्य-सेवा वसूली		280.50
टेलीफोन तथा ट्रंक कौल खर्च	65,891.15		भविष्य निधि निवेशों पर		
डाक तथा तार	19,748.95		ब्याज वसूल किए। वर्ष के		
मुद्रण तथा लेखन सामग्री	1,06,666.05		लिए उचित		5,253.00
वाहन का रखरखाव	25,958.76				
वर्दियां	11,760.82				
विविध आकस्मिक खर्च	33,843.91				

आय		राशि	आय	राशि
लेखा परीक्षा	6,935.00			
किराया, दरें तथा कर	58,537.25			
मनोरंजन खर्च	1,130.50			
उपस्कर रख-रखाव	7,381.97			
पैट्रोल, तेल तथा स्नेहक	33,759.07			
फरनीचर तथा जूड़नार	1,520.49			
ग्रीष्म तथा शीत ऋतु व्यय	10,199.50			
समाचार-पत्र और पत्रिकाएं	19,374.04			
बीमा किश्त	835.00	4,13,714.46		
प्रकाशनों पर किया गया खर्च		24,667.36		
कार्यक्रम खर्च		1,39,450.27		
प्रारंभिक शिक्षा के अध्ययन पर खर्च		2,947.65		
कार्यक्रमों के लिए सहायता अनुदान				
भारतीय प्रशासन स्टाफ कालेज	45,750.00			
राज्य सरकार	1,03,604.00	1,49,354.00		

आय	राशि	आय	राशि
खर्च की तुलना में अधिक आय	76,377.99		
कुल	17,10,720.89		17,10,720.89

(एस० सुन्दरराजन)
लेखा अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना तथा प्रशासन
संस्थान
नई दिल्ली

(वेद प्रकाश)
कार्यकारी निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना तथा प्रशासन
संस्थान
नई दिल्ली

(एम० वी० माथुर)
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना तथा प्रशासन
संस्थान
नई दिल्ली

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना तथा प्रशासन संस्थान तुलन पत्र (31-3-79 तक की स्थिति)

देयता		राशि	परिसंपत्ति		राशि
पूंजीकृत अनुदान			भूमि तथा भवन		20,01,586.09
पिछले तुलनपत्र के अनुसार			उपस्कर तथा यन्त्र : फरनीचर		
शेष राशि	32,92,841.94		तथा जुड़नार		
वर्ष के दौरान अतिरिक्त			स्टाफ कार तथा अन्य वाहन		
राशि जमा	1,39,444.18	34,32,286.12	पिछले तुलनपत्र के अनुसार		
खर्च की तुलना में अधिक आय			शेष राशि	9,20,144.02	
पिछले वर्ष के अनुसार	12,67,092.00		वर्ष के दौरान अतिरिक्त		
वर्ष के दौरान अतिरिक्त			राशि जमा	76,573.29	9,96,717.31
जमा	76,377.99	13,43,469.99	पुस्तकालय की पुस्तकें		
यूनेस्को को वापसी योग्य न			पिछले तुलनपत्र के अनुसार		
खर्च की गई शेष राशि		34,176.37	शेष राशि	3,64,369.28	
भविष्य निधि			वर्ष के दौरान अतिरिक्त		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार	1,56,321.63		राशि जमा	62,870.89	4,27,240.17

देयता		राशि	परिसंपत्ति		राशि
वर्ष के दौरान अतिरिक्त			जमा तथा निवेश :		
राशि जमा	1,13,093.75		जमानत (जमा)	1,800.00	
चतुर्थ श्रेणी के			सी० पी० डब्ल्यू० डी० में जमा	10,75,112.63	
चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों			हिन्दुस्तान मोटर्स में जमा	43,697.55	11,20,610.18
की जी० पी० एफ० की			कर्मचारियों को तथा अन्य पेशगियां		
शेष राशि (1-3-73 तक			यात्रा भत्ता रियायत तथा		
की राशि) केन्द्रीय राजस्व			छुट्टी का वेतन पेशगी	9,28.00	
लेखा के निदेशक द्वारा			उत्सव पेशगियां	5,620.00	
हस्तान्तरित नहीं की गई	9,398.00		वाहन पेशगियां	670,00	
	2,78,813.38		बाढ़ पेशगियां	16,220.00	23,438.00
निकाली गई तथा पेशगी दी			विविध देनदार (केन्द्रीय राजस्व		
गई राशि को काटकर	50,260.38	2,28,553.00	लेखा निदेशक)		9,398.00
			रोकड़ बाकी :		
			1. रोकड़ शेष	187.00	
			अग्रदाय :	1,000.00	
			यूनेस्को कूपनों के द्वारा	7,309.18	

देयता	राशि	परिसंपत्ति		राशि
		2. बैंक में—चालू लेखा	2,31,844.55	
		बैंक में—बचत बैंक लेखा	2,19,155.00	4,59,495.73
कुल	कुल 50,38,485.48			50,38,485.48

(एस० सुन्दरराजन)
लेखा अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना तथा प्रशासन
संस्थान
नई दिल्ली

(वेद प्रकाश)
कार्यकारी निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना तथा प्रशासन
संस्थान
नई दिल्ली

(एम० वी० माथुर)
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना तथा प्रशासन
संस्थान
नई दिल्ली

लेखापरीक्षा प्रमाण पत्र

मैंने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना तथा प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के पूर्ववर्ती लेखा और तुलनपत्र की जांच की तथा अपने द्वारा मांगी गई सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त किए। अपनी लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप मैं प्रमाणित करता हूं कि मेरे विचार में, ये लेखा और तुलनपत्र उचित रूप से लिखे गए हैं, और प्राप्त सूचना और स्पष्टीकरण, तथा राष्ट्रीय संस्थान की दिखाई गई पुस्तकों के अनुसार संस्थान की वित्तीय स्थिति की वास्तविक और उचित स्थिति प्रदर्शित करते हैं।

हस्ताक्षर—
लेखापरीक्षा निदेशक
केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली :
दिनांक : 12 दिसम्बर 1979

परिशिष्ट-IV

नेशनल स्टाफ कॉलेज का संकाय

(31-3-79 तक की स्थिति)

प्रोफेसर एम० वी० माथुर, निदेशक
श्री वेद प्रकाश, कार्यकारी निदेशक
श्री जे० वीरराघवन, परामर्शदाता
श्री जे० एन कौल, परामर्शदाता
डॉ० आर० एन० चौधरी, अधिसदस्य
श्री सी० एल० सपरा अधिसदस्य
डॉ० एन० एम० भागिया, अधिसदस्य
डॉ० सी० बी० पद्मनाभम, अधिसस्य
(प्रतिनियुक्ति पर यूनेस्को में)
श्री के० जी० विरमानी, सह-अधिसदस्य
श्री एस० एस० दूदानी, सह-अधिसदस्य
श्री एम० एम० कपूर, सह-अधिसस्य
डॉ० धीरेन्द्र वर्मा, सह-अधिसदस्य
श्री टी० के० डी० नायर, अनुसंधान। प्रशिक्षण सहयोगी
डॉ० आर० एस० शर्मा, अनुसंधान। प्रशिक्षण सहयोगी
श्री सी० मेहता, अनुसंधान। प्रशिक्षण सहयोगी
डॉ० (श्रीमती) सुषमा भागिया, अनुसंधान। प्रशिक्षण सहयोगी
श्रीमती राधा शर्मा, अनुसंधान। प्रशिक्षण सहयोगी
डॉ० (श्रीमती) कुसुम प्रेमी, अनुसंधान। प्रशिक्षण सहयोगी
श्रीमती उषा नायर, अनुसंधान। प्रशिक्षण सहयोगी
कुमारी निर्मल मलहोत्रा, पुस्तकाध्यक्ष
श्री एल० के० राठौड़, रजिस्ट्रार

कर्मचारियों में परिवर्तन

डॉ० जे० एन० कौल, संयुक्त सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, ने प्रतिनियुक्ति पर परामर्शदाता का कार्यभार 1 अगस्त 1978 को संभाला।

श्रीमती राधा रानी शर्मा, प्राध्यापक, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय ने अनुसंधान / प्रशिक्षण सहयोगी का कार्यभार 6 अक्तूबर, 1978 को संभाला।

श्री एम० एम० कपूर, शिक्षा के सहायक निदेशक (योजना, सांख्यिकी तथा सर्वेक्षण एकक) तथा पदेन अवर सचिव, जम्मू तथा कश्मीर सरकार ने प्रतिनियुक्ति पर 13 अक्तूबर, 1978 को सह-अधिसदस्य का कार्यभार संभाला।

डॉ० (श्रीमती) कुसुम के० प्रेमी, वरिष्ठ अनुसंधान सहायक, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय ने अनुसंधान / प्रशिक्षण सहयोगी का कार्यभार 23 अक्तूबर, 1978 को संभाला।

श्रीमती उषा नायर ने अनुसंधान / प्रशिक्षण सहयोगी का कार्यभार 23 अक्तूबर, 1978 को संभाला।

श्री एस० एस० दूदानी, अनुसंधान / प्रशिक्षण सहयोगी ने 12 नवम्बर, 1978 को सह-अधिसदस्य का कार्यभार संभाला।

डॉ० धीरेन्द्र वर्मा, सह प्रोफेसर, नोवा स्कोटिया इन्स्टीट्यूट आफ टैकनोलोजी, हैलिफैक्स, नोवा स्कोटिया, कनाडा ने सह-अधिसदस्य का कार्यभार 20, नवंबर 1978 को संभाला।

श्री जे० वीर राघवन, आई० ए० तथा ए० एस० ने प्रतिनियुक्ति पर परामर्शदाता का कार्यभार 30 नवम्बर, 1978 को संभाला।

डॉ० (श्रीमती) सुषमा भागिया, प्राध्यापक, इन्दौर विश्वविद्यालय, ने अनुसंधान / प्रशिक्षण सहयोगी का कार्यभार 5 दिसम्बर 1978 को संभाला।

श्री डी० पी० नायर, अधिसदस्य (परामर्शदाता) 28 फरवरी, 1979 को पद की अवधि पूर्ण करने पर कार्यमुक्त किए गए।

श्री एस० सुन्दर राजन, लेखा परीक्षा अधिकारी, डाक तथा तार लेखा परीक्षा, जयपुर ने 5 मार्च 1979 को प्रतिनियुक्ति पर लेखा अधिकारी का कार्यभार संभाला।

शिक्षा तथा समाज कल्याण एवं संस्कृति मन्त्रालय के श्री वेद प्रकाश ने 12 मार्च, 1979 को कार्यकारी निदेशक का कार्यभार संभाला।

परिशिष्ट-VI

संकाय सदस्यों की अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सहभागिता

1. प्रोफेसर एम० वी माथुर, निदेशक, नेशनल स्टाफ कालेज ने 2 मई - 25 मई 1978 को कनाडा / संयुक्त राज्य अमरीका में हुए शैक्षिक प्रशासन में चौथे अन्तर्राष्ट्रीय अन्तर्भेंट कार्यक्रम में भाग लिया और एक अनुभागीय सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने संयुक्त राज्य अमरीका के वाशिंगटन स्थित शैक्षिक संघ के कुछ अधिकारियों तथा न्यूयार्क में यूनिटार, शिक्षा विद्यालय के संकाय अध्यक्ष तथा हारवार्ड विश्वविद्यालय के निदेशक से भी भेंट की (25 मई से 2 जून, 1978)।
2. प्रोफेसर एम० वी० माथुर, निदेशक, नेशनल स्टाफ कालेज, आई आई ई पी पेरिस द्वारा गठित मूल्यांकन नामिका (जून 12-16, 1978) में सम्मिलित कर लिए गए। संयुक्त कार्यक्रम आयोजित करने के सन्दर्भ में उन्होंने यूनेस्को अधिकारियों के साथ चर्चा की।
3. डॉ जे० एन० कौल, परामर्शदाता, ने 23 अक्तूबर से 3 नवंबर, 1978 तक श्रीलंका, कोलंबो, में हुई एशिया के लिए कामनवैल्थ प्रादेशिक सेवाकालीन अध्यापक शिक्षा कर्मशाला में भाग लिया।
4. श्री सी० एल० सपरा, अधिसदस्य, नेशनल स्टाफ कालेज, ने 2 मई - 25 मई, 1978 तक कनाडा / संयुक्त राज्य अमरीका में हुए शैक्षिक प्रशासन में चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय अंतर्भेंट कार्यक्रम में भाग लिया तथा 'शैक्षिक प्रशासन में अनुसंधान की नई दिशाएं' पर हुए एक अनुभागीय सत्र की अध्यक्षता की।
5. प्रोफेसर एम० वी० माथुर, निदेशक नेशनल स्टाफ कालेज, ने सितंबर 15 से 16, 1978 तक ब्रिटिश शैक्षणिक प्रशासन समिति, लन्दन के 7 वें वार्षिक संमेलन में भाग लिया।
6. प्रोफेसर एम० वी० माथुर, आई आई ई पी, पेरिस द्वारा गठित मूल्यांकन नामिका (जुलाई 12-16, 1978) में सम्मिलित किए गए, तथा उन्होंने संयुक्त कार्यक्रमों के आयोजन के संबंध में यूनेस्को के अधिकारियों से चर्चा की।
7. नवंबर 27 से दिसंबर 5, 1978 तक बैंकाक में यूनेस्को प्रादेशिक कार्यालय द्वारा आयोजित 'शैक्षिणिक योजना तथा प्रबन्ध कार्यक्रम विकास कर्मशाला' के कुछ सत्रों में प्रोफेसर एम० वी० माथुर ने भाग लिया व अध्यक्षता की।

LIBRARY & ... ATION ...
National ...
Planning ... Educational
... Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC, No ... D-9359
Date ... 5-12-96